WWW.Kanchanujala.in | हिन्दी दैनिक | kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित | सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 313 | लखनऊ, सोमवार, 02 नवम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

मलाइका अरोड़ा ने ब्राउन कलर की चमकीली साड़ी पहन दिए जबरदस्त पोज

विपक्ष के पास न तथ्य न तर्क सिर्फ विरोध है मकसदःमोदी

बगहा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि विपक्ष के पास न तथ्य न तर्क सिर्फ नकारात्मकता, भ्रम और भय का माहौल बना कर विरोध करना मकसद है। श्री मोदी ने रविवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए आज अपनी चौथी और अंतिम जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष के पास न तथ्य है न तर्क। उनका मकसद सिर्फ नकारात्मकता, भ्रम और भय का माहौल बना कर राष्ट्रहित एवं जनहित के कदमों का विरोध करना रह गया है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने ही पहले झूठ फैलाया था कि

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार अनुसूचित जाति-जनजाति के आरक्षण को समाप्त कर देगी लेकिन उनकी सरकार ने न सिर्फ अनुसूचित जाति-जनजाति के आरक्षण को 10 साल के लिए बढ़ाया बल्कि सामान्य वर्ग के गरीब को भी 10 प्रतिशत आरक्षण दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कई दशकों से सामान्य वर्ग के गरीब लोग भी आरक्षण की मांग कर रहे थे लेकिन वोट बैंक की राजनीति करने वालों ने सामान्य वर्ग की उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि हमने हिम्मत के साथ सामान्य वर्ग के गरीबों को भी 10 प्रतिशत का आरक्षण दिया और देश में इसके कारण कोई संघर्ष नहीं हुआ। कहीं कोई जहर नहीं घुला और न कहीं कोई जातिवाद की बलि चढ़ा। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र पर चलने के कारण ही उनकी सरकार इतना बड़ा फैसला ले सकी और समाज ने भी इसे स्वीकार किया।

बिहार में है भ्रम और भय का माहौलः कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि जिस बिहार को लम्बे समय से सुशासन देने की बात की जाती रही है वहां आज भय एवं भ्रम का माहौल है और यह स्थिति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पैदा की है। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लभ ने रविवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड ने भय और भ्रम के माहौल में धकेला है। सरकार ने वहां जो भय और भ्रम का माहौल पैदा किया है वह चुनाव प्रचार में स्पष्ट नज़र आ रहा है। उन्होंने कहा कि वहां कौन दल किस गठबंधन के साथ चुनाव लड़ रहा है यह स्पष्ट ही नहीं है। जद-यू तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का घटक है इसलिए प्रचार में श्री मोदी की तस्वीर का इस्तेमाल कर रहा है लेकिन उसके खिलाफ खड़ी लोक जनशक्ति पार्टी भी प्रधानमंत्री के चित्र का इस्तेमाल कर रही है।

देश में लगातार कम हो रहे हैं कोरोना के सक्रिय मामले

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में लगातार कोरोना वायरस (कोविड-19) के सक्रिय मामलों में कमी आ रही है और पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या अधिक है। देश में लगातार स्वस्थ होने वाले लागों की संख्या बढ़ने से कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 5,70,458 रह गयी है। इसके साथ ही सक्रिय मामलों की दर घटकर 6.97 प्रतिशत हो गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना को मात देने वालों की दर बढ़कर 91.53 प्रतिशत हो गयी है, जबकि मृत्यु दर घटकर 1.49 प्रतिशत तथा सक्रिय मामलों की दर 6.97 फीसदी हो गयी

है। पिछले 24 घंटों के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में कोरोना के 46,963 नये मामले सामने आये। यह लगातार सातवां दिन है, जब कोविड-19 के 50 हजार के कम मामले सामने आये हैं। इससे पहले शनिवार को 48,268, शुक्रवार को 48,648, गुरुवार को 49,881, बुधवार को 43,843, मंगलवार को 36,470 और सोमवार को 45,149 नये मामले सामने आये थे। गत 24 घंटे में 58,684 संक्रमित स्वस्थ हुए है और 470 लोगों की मृत्यु हुई है। देश में अब तक 81.84 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं, जिनमें से करीब 74.91 लाख लोग स्वस्थ हो चुके हैं तथा 1,22,111 लाख लोगों की मृत्यु हुयी है।

स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ने से सक्रिय मामले 12,191 घटकर 5,70,458 रह गये हैं। इस जानलेवा विषाणु से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामलों में 1829 की कमी आने से इनकी संख्या घटकर करीब 1.24 लाख रह गयी है जबकि इस दौरान 74 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 43,911 हो गयी है।

श्रीनगर मुठभेड़ में हिज्बुल प्रमुख सैफुल्लाह मारा गया

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बाहरी हिस्से में रविवार को सुरक्षाबलों के घेराबंदी और तलाशी अभियान (कासो) के दौरान हुई मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहीद्दीन का प्रमुख डा. सैफुल्लाह मारा गया। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की विशेष जानकारी के बाद शहर के बाहरी इलाके के रंगरेथ क्षेत्र में जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ)ने संयुक्त रूप से घेराबंदी और तलाशी अभियान (कासो) शुरु किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल जब एक विशेष क्षेत्र की ओर बढ़ रहे थे तो वहां छिपे आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से उन पर गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई के बाद मुठभेड़ शुरु हो गई है। इस दौरान एक आतंकवादी मारा गया जबकि एक अन्य संदिग्ध को मौके से गिरफ्तार किया गया। मारे गये आतंकवादी की पहचान सैफुल्लाह के रूप में हुई है। हिज्बुल के पूर्व कमांडर रियाज नायकू के इसी वर्ष मई में मारे जाने के बाद सैफुल्लाह ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन की कमान संभाली थी। सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला बारूद के अलावा अन्य सामान भी बरामद किये गये हैं। आतंकवादियों के भागने के प्रयास को विफल करने तथा किसी भी अप्रिय वारदात से निपटने के लिए आस-पास के इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

कोरोना पर सर्वदलीय बैठक बुलाएं केजरीवालः बिधूड़ी

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने राजधानी में कोरोना के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से समय रहते महामारी परकाबू करने के उपायों पर विचार-विमर्श के लिए तुरन्त सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। श्री केजरीवाल को रविवार लिखे पत्र में बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के समक्ष राज्य सरकार ने कहा है कि नवम्बर महीने में प्रतिदिन कोरोना के मरीजों की संख्या करीब 12 हजार तक पहुंच जाएगी और इनके इलाज के लिए 20 हजार से ज्यादा बेड की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले दो-तीन दिनों से रोजाना करीब पांच हजार कोरोना के मामले आ रहे है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति बेहद चिंताजनक है, लिहाजा यह जरूरी है कि सभी दलों की बैठक बुलाई जाए।

त्योहारों पर कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करेंः योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्योहारों के मद्देनजर कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये और कहा कि राजधानी लखनऊ में कोरोना पर प्रभावी अंकुश के लिये रणनीति बनायी जाए। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने रविवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि त्योहारों को देखते हुए सभी को कोरोना वायरस के प्रति निरंतर विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। कोरोना वायरस की रोकथाम के संबंध में निर्धारित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि साथ ही लखनऊ में डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए साफ-सफाई का अभियान पूरी सक्रियता से चलाया जाए। इसके साथ ही लार्वा-रोधी छिड़काव और फॉगिंग भी नियमित रूप से करवाई जाए। योगी ने डेंगू तथा अन्य संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए कार्यवाही तेजी से जारी रखने के निर्देश दिये और कहा कि सेनिटाइजेशन पूरी सक्रियता से किया जाए। कोरोना वायरस के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रिन्ट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का प्रभावी इस्तेमाल किया जाए। इसके साथ ही एण्टीलार्वा छिड़काव और फॉगिंग भी नियमित रूप से करवाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि डेंगू तथा अन्य संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए कार्यवाही तेजी से जारी रखी जाए।

फिर से पटरी पर लौटने लगी है देश की अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस के चलते लगे लॉकडाउन की वजह से झटका खाई अर्थव्यवस्था फिर से पटरी पर लौटने लगी है। वित्त सचिव अजय भूषण पांडेय ने इस संबंध में संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के कर संग्रह में तेजी आई है। साथ ही कोरोना के मद्देनजर सरकार द्वारा दिए गए प्रोत्साहनों की वजह से आर्थिक संकेतकों में भी सुधार जारी है। न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में पांडेय ने कहा कि वस्तुओं के परिवहन के लिए जरूरी ई-वे बिल को निकालने की संख्या कोविड से पहले के स्तर पर आ गई है। ऑनलाइन भुगतान तेजी से बढ़े हैं। वस्तुओं की खपत या सेवा दिए जाने पर लिए जाने वाले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संग्रह में लगातार दूसरे महीने तेजी आई है।

भारत की पाक को दो टूक, पीओके में कोई भी बदलाव मंजूर नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने गिलगित-बाल्टिस्तान को अंतरिम प्रांत का दर्जा देने की घोषणा की है। पाकिस्तान के इस कदम का भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है।भारत ने पाकिस्तान से दो टूक कहा है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में किसी भी तरह का बदलाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। गिलगित-बाल्टिस्तान भारत का अभिन्न अंग है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्त ने कहा, ÷भारत सरकार पाकिस्तान द्वारा भारतीय क्षेत्र के एक हिस्से में अवैध और जबरन कब्जे के तहत भौतिक परिवर्तन लाने के प्रयास को दृढ़ता से अस्वीकार करती है। मैं दोहराता हूं कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत गिलगिट-बाल्टिस्तान भारत का अभिन्न अंग है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह के प्रयास पाकिस्तान के अवैध कब्जे का दावा करते हैं। इस तरह के प्रयासों से इन पाक अधिकृत क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के सात दशकों से अधिक समय तक मानव अधिकारों के उल्लंघन और आजादी से वंचित रखने को नहीं छुपाया जा सकता। इमरान खान ने गिलगित-बाल्टिस्तान की अपनी यात्रा के दौरान कहा, %मेरे गिलगित-बाल्टिस्तान आने के कारणों में से एक यह घोषणा करना है कि हमने गिलगित-बाल्टिस्तान को अस्थायी प्रांतीय दर्जा देने का फैसला किया है। पाकिस्तान की ओर से यह कदम तब उठाया गया है, जब सऊदी अरब ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और गिलगित-बाल्टिस्तान को पाकिस्तान के नक्शे से हटा दिया था। लंबे समय से गिलगित बाल्टिस्तान के मुद्दे पर इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

कमलनाथ ने सिंधिया और इमरती के आरोपों पर दी सफाई

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने रविवार को ज्योतिरादित्य सिंधिया और इमरती देवी के द्वारा लगाए गए आरोपों पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि मैंने जो बात कही सबके सामने कही, मैं लोकसभा में इतने साल रहा हूं, हमारी सीट आती है जिसपर लिखा होता है आइटम नंबर-1, नंबर-2, नंबर-3 और मैं इस भाषा से परिचित हूं। किसी का अपमान करने के लिए मैंने कुछ नहीं कहा और हां मैंने इसके लिए खेद भी व्यक्त किया। वहीं इसके बाद कमलनाथ ने सिंधिया के आरोपों पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कल ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मेरे ऊपर आरोप लगाया था कि मैंने उन्हें अशोक नगर में कुत्ता कहा था। मैं बता दूं कि न मैंने उन्हें तो कुत्ते के रूप में संबोधित किया था और न ही मैं ऐसा करूंगा।

मुस्लिमों का सम्मान करता हूं, लेकिन हिंसा बर्दाश्त नहीं करूंगाःराष्ट्रपति मैक्रों

नयी दिल्ली, एजेंसी। इस्लाम को आतंकवाद से जोड़ने के कारण आलोचना झेल रहे फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का अहम बयान आया है। मैक्रों ने कहा कि वे मुस्लिमों का सम्मान करते हैं। मैं समझ सकता हूं कि मुस्लिम पैगंबर मोहम्मद का कार्टून बनाए जाने से आहत हैं। इन सबके बावजूद इसकी प्रतिक्रिया में हिंसा बर्दाश्त नहीं की जा सकती। धार्मिक टकराव के कारण दो हफ्ते के अंदर हुए दो हमलों ने फ्रांस को हिला दिया है। पहले क्लास में विवादित कार्टून दिखाने वाले टीचर का सिर उन्हीं के छात्र ने कलम कर दिया। इसके बाद नीस शहर में चर्च के बाहर चाकू मारकर एक महिला समेत तीन लोगों की हत्या कर दी गई। शनिवार को भी एक अज्ञात बंदूकधारी ने चर्च में पादरी को गोली मार दी थी। इस मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। लगातार हो रहे हमलों के कारण सरकार ने फ्रांस में तैनात सैनिकों की संख्या दोगुनी कर दी है। मैक्रों ने इन घटनाओं को इस्लामिक आतंकवाद करार दिया था। इसके बाद से ही वे मुस्लिम देशों के नेताओं के निशाने पर हैं। कई देशों में फ्रांसीसी सामान के बहिष्कार के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं। एक मीडिया हाउस से बातचीत में फ्रांस के राष्ट्रपति ने कहा कि पूरे मामले को गलत तरीके से समझा जा रहा है। वे मोहम्मद पैगंबर के कार्टून का समर्थन नहीं करते। इस कार्टून से कई लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। इसके बाद भी देश में अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा की जाएगी। इसमें कार्टून छपना भी शामिल है।

बिहार चुनावः दूसरे चरण की 94 सीटों के लिए थमा प्रचार का शोर, 3 को वोटिंग

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 17 जिलों की 94 सीटों के लिए चुनाव प्रचार का शोर रविवार की शाम को थम गया। कुल 1463 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इनमें 1316 पुरुष, 146 महिला एवं एक थर्ड जेंडर की प्रत्याशी शामिल हैं। इस चरण में 623 निर्बाधित गैर मान्यता प्राप्त दलों से तो 513 निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। जिन चुनाव क्षेत्रों में चार बजे तक मतदान होना है वहां रविवार की शाम चार बजे और जिन क्षेत्रों में छह बजे तक मतदान होना है वहां शाम छह बजे के बाद चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। चुनाव आयोग के अनुसार मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व इन सीटों के प्रत्याशी सिर्फ व्यक्तिगत जनसंपर्क के माध्यम से ही अपने पक्ष में वोट देने की अपील कर सकेंगे। सभी प्रकार की चुनावी सभा, नुक्कड़ सभा इत्यादि, दृश्य एवं श्रव्य माध्यम से होने वाले चुनाव प्रचार पर तत्काल प्रभाव से रोक लग गई। दूसरे चरण के आठ निर्वाचन क्षेत्रों में सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक ही मतदान होगा। इनमें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव का चुनाव क्षेत्र राघोपुर भी शामिल है। जबकि शेष 86 निर्वाचन क्षेत्रों में सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान का समय निर्धारित है। दूसरे चरण में महाराजगंज में सबसे अधिक 27 प्रत्याशी और दरौली (सु) में सबसे कम 4 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मतदाता की संख्या के आधार पर सबसे बड़ा विधानसभा क्षेत्र दीघा है तो सबसे छोटा चुनाव क्षेत्र चेरिया-बरियापुर है।

मप्र उपचुनाव का आखिरी दौर

ग्वालियर-चंबल में फिर बदले समीकरण

नयी दिल्ली, एजेंसी। उपचुनाव के लिए प्रचार रविवार शाम थम गया। आखिरी तीन दिन के प्रचार के दौरान चंबल और मालवा क्षेत्र में तेजी से समीकरण बदले। सांवेर में तुलसी सिलावट की स्थिति मजबूत हो गई। बदनावर में कांग्रेस प्रत्याशी कड़े मुकाबले में आ गए। चंबल के सुमावली में दो दिन पहले भाजपा आगे थी, अब यहां कांग्रेस की स्थिति बेहतर हो गई। मेहगांव में कांग्रेस प्रत्याशी हेमंत कटारे की स्थिति मजबूत हो गई। भास्कर ने चुनावी क्षेत्रों की जमीनी हकीकत जानी। यहां 28 सीटों पर अब 12 पर भाजपा, 11 पर कांग्रेस मजबूत है। 5 सीटों पर अब भी कांटे का मुकाबला है। जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आती जा रही है, कांग्रेस प्रत्याशी सुनील शर्मा की स्थिति में सुधार हुआ है। हालांकि, भाजपा से मंत्री प्रद्युम्न तोमर यहां अब भी भारी दिख रहे हैं। तोमर की छवि लोगों में अच्छी है, जिसका फायदा उन्हें वोट में बदलने के रूप में मिल सकता है। कमलनाथ के 'आइटम' वाले बयान के बाद इमरती देवी इसे भुनाने तो लगी हैं, लेकिन वह भी विवादित बयान देने लगीं। इससे उनके पक्ष में जो माहौल बन रहा था, वह थम गया। हालांकि, अब भी ग्राफ इमरती देवी का ही ऊपर दिख रहा है। यहां कांग्रेस से सुरेश राजे उम्मीदवार हैं। बसपा के टिकट पर तीन बार चुनाव लड़कर हार चुके कांग्रेस प्रत्याशी प्रागीलाल जाटव की सहानुभूति के सामने भाजपा की तमाम कोशिशें असफल होते दिख रही हैं। करैरा में सिंधिया की सभा भी बड़ा कमाल नहीं कर पाई है। भाजपा से जसवंत जाटव उम्मीदवार हैं।

देश की नींव कमजोर करने वाले हैं नए कृषि कानून, प्रधानमंत्री पुनर्विचार करेंः राहुल गांधी

रायपुर, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को नए कृषि कानूनों को किसानों, मजदूरों और देश की नींव कमजोर करने वाला बताया है। साथ ही राहुल ने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन नए कानूनों पर पुनर्विचार करेंगे। राहुल गांधी रविवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में राज्योत्सव कार्यक्रम को वीडियो लिंक के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। राज्योत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने जनता को बधाई दी और कहा कि यह मुश्किल समय है। देश में कोविड महामारी तेजी से फैल रही है, ऐसे समय में जो कमजोर लोग होते हैं, उन्हें सबसे ज्यादा कठिनाई होती है। किसान, मजदूर, छोटे दुकानदार, हमारी माताएं, बहनें और युवाओं को सबसे ज्यादा कठिनाई होती है। राहुल ने कहा कि देश में किसान की हालत के बारे में सभी को जानकारी है। किसानों की आत्महत्या की खबरें मिलती रहती हैं। एक तरह से देश ने स्वीकार कर लिया है कि किसान आत्महत्या करते हैं, लेकिन हमें स्वीकार नहीं करना है। हमें किसान, मजदूर, छोटे दुकानदारों की रक्षा करनी चाहिए। उनके साथ मिलकर खड़ा होना चाहिए क्योंकि किसान और मजदूर इस देश की नींव हैं। अगर वह कमजोर होंगे, तब यह नींव कमजोर होगी। यदि हम उनकी रक्षा करते हैं, तब ही देश मजबूत होगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि मुझे दुख हो रहा है कि देश में किसानों पर आक्रमण हो रहा है। मैंने कुछ दिनों पहले बिहार में चुनावी भाषण में कहा था कि समर्थन मूल्य और मंडियों की जरूरी जगह है।

निकिता मर्डरः दोषियों को फांसी देने की मांग पर हाईवे जाम

हरियाणा सरकार लव जिहाद के खिलाफ कानून ला सकती है

नयी दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के बल्लभगढ़ में रविवार को निकिता तोमर हत्याकांड के विरोध में बुलाई गई महापंचायत के बाद उग्र भीड़ ने फरीदाबाद-बल्लभगढ़ हाईवे को जाम कर दिया। ये लोग निकिता तोमर हत्याकांड में दोषियों को जल्द से जल्द फांसी की सजा देने की मांग कर रहे थे। उधर, खट्टर सरकार भी उत्तर प्रदेश सरकार की तरह लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने पर विचार कर रही है। सीएम मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को कहा कि इस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। महापंचायत में फरीदाबाद एनआईटी के विधायक नीरज शर्मा पर किसी ने जूता फेंक दिया, जिसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। भीड़ ने रोड पर पराली जलाई। कई वाहनों और हाईवे के एक ढाबे में तोड़फोड़ भी की गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। एसीपी जयवीर राठी का कहना है कि फिलहाल हालात सामान्य हैं। उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। 26 अक्टूबर को फरीदाबाद जिले के बल्लभगढ़ में पेपर देकर लौट रही बी-कॉम थर्ड ईयर की छात्रा 21 साल निकिता की गोली मारकर हत्या की गई थी। हत्या के आरोपी नूंह से कांग्रेस विधायक आफताब अहमद के चचेरे भाई तौसीफ, दोस्त रेहान और एक मददगार अजरुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया था। मामले में एसआईटी जांच कर रही है।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया सड़क सुरक्षा यातायात माह का शुभारंभ

बस्ती। रविवार दिनांक 01.11.2020 को शास्त्री चौक पर यातायात माह-नवम्बर 2020 का शुभारंभ जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन व पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना के कर-कमलों द्वारा फीता काटकर किया गया । विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी शासन के निर्देशानुसार नवंबर माह को यातायात माह के रूप में मनाया जा रहा है ।इस अवसर पर लोगों से सुरक्षित यातायात सुनिश्चित कराने हेतु सावधानी पूर्वक रोड पर चलने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग ना करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, यातायात नियमों का पालन करने हेतु सुझाव दिया गया एवं रोड सेफ्टी के प्रति लोगो को जागरुक किया गया । कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी बस्ती व पुलिस अधीक्षक बस्ती द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को चेकिंग के दौरान शालीनता के साथ जनमानस के साथ पेश आने की नसीहत दी। साथ ही यातायात नियमों के संबंध में पम्पलेट आदि के माध्यम से जनता को जागरुक करने के निर्देश दिए गये। TSI श्री कामेश्वर सिंह व ASI अशोक कुमार सिंह ने यातायात माह नवम्बर में संचालित किए जाने वाली गतिविधियों पर प्रकाश डाला और बताया कि शासन की मंशा के अनुसार नियमों को ध्यान में रखते हुए निरंतर चेकिंग अभियान एवं जन जागरुकता का कार्य किया जायेगा। सघन चेकिंग अभियान चलाकर काली फिल्म, बिना सीट बेल्ट, बाइक पर तीन सवारियां, बिना हेल्मेट तथा नो पार्किंग व नो इन्ट्री का पालन न करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही भी की जायेगी। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक रवीन्द्र कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर/यातायात गिरीश कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी कलवारी अनिल कुमार सिंह, RTO बस्ती एवं ARTO बस्ती व वरिष्ठ पत्रकार जयन्त मिश्रा, जगदीश अग्रहरी मण्डल अध्यक्ष उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल, आनन्द राजपाल जिला अध्यक्ष व्यापार मण्डल,डॉ0 डी0के0 गुप्ता रोटरी क्लब अध्यक्ष, प्रभुप्रीत सिंह रोटरी क्लब,शहर के विशिष्ठ गण ,हृष्टष्ट व विभिन्न विद्यालयों के बच्चे एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

राजघाट पुलिस को मिली बड़ी सफलता 5 जानवर सहित एक चाकू के साथ तस्कर को किया गया गिरफ्तार

गोरखपुर/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगेन्द्र कुमार के आदेशानुसार अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए अभी थाना प्रभारी चौकी प्रभारी को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण शील रहकर संदिग्ध व्यक्तियों संदिग्ध वस्तुओं पर ध्यान रखें उसकी शिनाख्त कर ही उन्हें जोड़ा जाए उसी क्रम में मुखबिर के मिली सूचना पर राजघाट थाना क्षेत्र के पांडे हाता चौकी अंतर्गत नागालिया हॉस्पिटल से होकर नॉर्मल टैक्सी स्टैंड कब्रिस्तान गली से होकर पिकअप पर जिसका नंबर UP,65 DT4188 से पांच जानवर को हरबर्ट बंधा के तरफ ले जाने की सूचना मिलने पर राजघाट थाना क्षेत्र के पांडे हाता चौकी प्रभारी अरुण कुमार सिंह, कांस्टेबल अरविंद यादव, दीपक यादव के द्वारा तत्परता दिखाते हुए नॉरमल टैक्सी स्टैंड कब्रिस्तान गली में धर दबोचा गया और जब पिकअप की तलाशी ली गई मौके पर पिकअप के अंदर पांच जानवर और मौके पर पकड़े गए व्यक्ति के पास एक चाकू बरामद किया गया पूछताछ के दौरान उसकी पहचान सैफ अली पुत्र मुस्तकीम ग्राम जैतपुर के गौसपुर थाना गिड़ा का रहने वाले के रूप में उसकी पहचान की गई जिसको आज कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया।

यातायात माह का हुआ शुभारम्भ, सुरक्षा को लेकर किया गया जागरूक

यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित रहे- आशुतोष शुक्ल (एसपी ट्रैफिक)

गोरखपुर/सुरक्षित यातायात को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए पुलिस अधीक्षक यातायात आशुतोष शुक्ल ने आज से यातायात माह का शुभारंभ यातायात कार्यालय से किया पुलिस अधीक्षक यातायात ने कार्यक्रम में बताया कि वाहनों को सावधानी पूर्वक व नियमानुसार चलाएं। बाईक ड्राइव करने के दौरान हेलमेट का उपयोग अवश्य करें तेज वाहन न चलाएं चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट का उपयोग अवश्य करें साथ ही वाहन चलाते समय नशीली पदार्थों का सेवन न करने की अपील किया यातायात माह पूरे नवम्बर तक चलाया जायेगा और इस दौरान विशेष तौर पर कम उम्र के वाहन चालकों पर विशेष नज़र रखी जायेगी स्कूल संचालकों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा आमजनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जाएगा स्कूलों में भी जा कर बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा जनता से सहयोग की अपील की गई यातायात माह की आज से शुरुआत हुई है और महीने भर यातायात नियमों के लिए चलने वाले जागरूकता अभियान की वजह से लोगो को यातायात के प्रति जागरूक करने में काफी मदद मिलेगी साथ ही एसपी ट्रैफिक ने जनता से ये भी अपील किया है कि शहर में कही पर भी यातायात व्यवस्था को लेकर कोई दिक्कत अगर है तो वो मुझसे मिलकर अपनी समस्या बता सकता है उस समस्या का समाधान करने की पूरी कोशिश की जाएगी आज यातायात माह के शुभारंभ के अवसर ट्रक एसोसिएशन ऑटो एसोसिएशन और बस एसोसिएशन के पदाधिकारी भी शामिल हुए और यातायात पुलिस को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। इस अवसर पर टीआई अख्तियार अहमद अंसारी, टीआई विनोद कुमार शर्मा , हरिद्वार सिंह सहित तमाम यातायात पुलिस के जवान मौजूद रहे सभी को पुलिस अधीक्षक यातायात ने अपने सम्बोधन में यातायात पुलिस के जवानों से कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था में अपना सहयोग पूरी ईमानदारी से दे और जहाँ भी ड्यूटी लगे आमजनमानस को यातायात के प्रति जागरूक करे।

गोरखपुर आए पीएम नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री व भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष ने किया स्वागत

गोरखपुर/ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बिहार के बगहा से चुनावी सभा के दौरा करने के बाद शाम को गोरखपुर एयरपोर्ट पर पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी का स्वागत उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, व भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने पुष्प गुच्छ देखकर किया सम्मानित। गोरखपुर एयरपोर्ट से पीएम मोदी विमान से दिल्ली के लिए रवाना हुए। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर एयरपोर्ट के भीतर और बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। बता दें कि प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर गोरखपुर में पिछले तीन दिनों से लगातार तैयारियां चल रही थी। पीएम के आगमन को लेकर अधिकारियों की बैठक होती रही। वहीं रविवार की सुबह से ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट रही। वहीं नगर निगम की साफ सफाई व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने को चौकस रहा।

सपा शिक्षक सभा के नवनियुक्त सभी पदाधिकारियों को सौंपा गया नियुक्ति पत्र हुवा स्वागत सम्मान

अयोध्या । समाजवादी पार्टी के फ्रंटल संगठन शिक्षक सभा के जिला कमेटी व विधानसभा पदाधिकारियों को आज पार्टी कार्यालय पर उनके पदों के लिए नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद पार्टी के जिलाध्यक्ष गंगा सिंह यादव ने कहा कि शिक्षक सभा एक ऐसा संगठन है जिसने समाजवादी पार्टी में प्रबुद्ध वर्ग के लोगों को स्थान देकर पार्टी को और मजबूत किया है। श्री यादव ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में शिक्षक सभा की जिम्मेदारियां और बढ़ गई है, शिक्षक सभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को घर घर जाकर पार्टी की नीतियों व रीतियों से लोगों को रूबरू कराना होगा। समाजवादी शिक्षक सभा के जिलाध्यक्ष दान बहादुर सिंह ने इस मौके पर कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों के खिलाफ काम कर रही है, तदर्थ शिक्षकों को निकालने की इस सरकार ने जो साजिश रची है उसे कभी भी पूरा नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि तदर्थ शिक्षकों समेत वित्तविहीन शिक्षकों को सम्मान पूर्ण मानदेय दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी प्रतिबद्ध है।

और आने वाले विधानसभा चुनाव में इस प्रमुख समस्या को पार्टी अपने घोषणा पत्र में शामिल करें इसके लिए जल्द ही संगठन के लोग पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मिलेंगे ।पार्टी प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि आज पार्टी कार्यालय में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में सपा जिला अध्यक्ष ने पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया साथ ही मिशन 2022 को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से एक बार फिर सहयोग मांगा। इस मौके पर कार्यक्रम का संचालन कर रहे महासचिव डॉ घनश्याम यादव ने भी आने वाली विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को और मजबूत करने का आह्वान किया। इससे पूर्व समाजवादी शिक्षक सभा के नवनियुक्त पदाधिकारियों को जिला अध्यक्ष गंगा सिंह यादव ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया अन्य कार्यकर्ताओं ने भी इन पदाधिकारियों को माला पहनाकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से उपाध्याय संत प्रसाद मिश्र, विमल सिंह यादव, जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव, बाबू राम गौड, छोटे लाल यादव ,जिला सचिव गण डॉ रामचंद्र वर्मा, अवनीश प्रताप सिंह, डॉ हनुमान प्रसाद मिश्र ,तहसीलदार सिंह, जगन्नाथ यादव ,मृत्युंजय सिंह, डॉ चंद्र प्रकाश वर्मा, रामजीत यादव ,राम कैलाश यादव, हुकुम सिंह यादव, डॉ विजय निगम ,राम बक्स यादव, डॉ आर के यादव, रणधीर सिंह, रविंद्र गुप्ता, अमिताभ श्रीवास्तव ,अमित कुमार मौर्य, लालचंद यादव ,संतोष मौर्य, डॉ मनोज कौशल ,अंबुज मालवीय व शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी अवधेश यादव ,दलजीत सिंह गौड़ आदि उपस्थित रहे।

ऐशबाग अग्निकांड में बेघर परिवारों को कपड़े, राशन और मास्क और ऊनी वस्त्रों का वितरण किया गया

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं अनिल राज यादव ,रूद्रान्स ठाकुर और सहयोग विकास समिति के द्वारा ऐशबाग अग्निकांड में बेघर परिवारों को कपड़े, राशन और मास्क और ऊनी वस्त्रों का वितरण किया गया । इस अवसर पर राइजिंग स्टार वेलफेयर फाउंडेशन का विशेष सहयोग रहा।इस अवसर पर सहयोग विकास समिति के प्रदेश अध्यक्ष धीरज गिहार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार सैनी, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा, महासचिव सुनील रावत, नगर अध्यक्ष जसवंत सिंह, नगर उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, कोषाध्यक्ष रविन्द्र यादव, ,प्रचार प्रसार सचिव अजय श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी सोनू भारती, प्रदेश सचिव अनुराग मिश्रा, नगर इकाई सदस्य रवि दुबे, महिला प्रकोष्ठ मारिया एडवोकेट, राइजिंग स्टार वेलफेयर फाउंडेशन से डा योगेश विमल,अनुज कुमार, असीम मार्शल , चांद आदि मौजूद रहे।

हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है: बृजमोहन दास

बस्ती। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से ग्रामीण महिला एवं कल्याण समिति बस्ती की ओर से रविवार को कटरा स्थित श्री मैरेज हाल में अवधी भोजपुरी लोकोत्सव एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दशरथ गद्दी के महन्थ बृजमोहन दास जी महाराज मौजूद रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि बृजमोहन दास जी महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति स्वाभिमान की परिचायक है। हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है। संस्कृति को बचाए रखने के लिए ऐसे आयोजनों की विशेष आवश्यकता है। उन्होंने ने कहा कि भारतीय संस्कृति श्रेष्ठतम संस्कृति है। इसे बचाने और जन जन तक पहुंचाने के लिए सभी को साझा दायित्व निभाना पड़ेगा। विशिष्ठ अतिथि युवा उपन्यासकार धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय नें कहा कि अवधी, ब्रज व भोजपुरी बोलियां हमारी संस्कृति का अंग हैं। ऐसे आयोजनों को बढ़ावा मिलना चाहिए। गोरखपुर से भोजपुरी युवा कवि पुरषोत्तम मौर्य नें कहा की भोजपुरी की तमाम कलाएं विलुप्त होने के कागार पर हैं ऐसे में इन्हें संरक्षित करने की विशेष जरुरत है सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत लोक गायक बृजमोहन तिवारी नें गणेश वन्दना के साथ किया इसके बाद फिल्म अभिनेता व लोक गायक, अवधी व भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुत कर लोगों को झुमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने रामा भोरे रे होते जन्मी है कन्या सीता सुलक्षण व विवाह गीत केकेरे दुआरे बाबा बाजन बाजे गा कर उपस्थित लोगों को भाव विभोर कर दिया। गायक अमरेश पाण्डेय नें सोहर व उलारा गीत प्रस्तुत किया तो समृद्धि पाठक, अंकिता तिवारी,खुशी गुप्ता, नें लोकगायन से शमां बाँध दिया। इसके अलावा नें संगम लता, रमा प्रजापति, साक्षी मिश्रा, नें अवधी लोकनृत्य समेत अन्य कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में सलोनी गौतम व प्रियंका नें लोक नृत्य प्रस्तुत किया। इससे पूर्व संस्था सचिव बबिता गौतम नें अतिथियों का स्वागत किया । कार्यक्रम में एल के तिवारी, विशाल पाण्डेय,डॉ नवीन सिंह, राम मूर्ति मिश्रा, अहमद अली, राजेंद्र सिंह,डा श्याम नारायण चौधरी को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। आदि मौजूद रहे। साउंड संयोजन आकाश साउंड बनकटी का रहा।

फ़िल्मी हस्तियों का हुआ सम्मान

बस्ती/ संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से ग्रामीण महिला एवं कल्याण समिति बस्ती की ओर से रविवार को शहर कटरा स्थित श्री मैरेज हाल मीन अवधी भोजपुरी लोकोत्सव एवं कार्यशाला में भोजपुरी फिल्मों से जुड़े बड़ी हस्तियों को सम्मानित किया गया। जिसमें फिल्मों के मशहूर निर्देशक संजय श्रीवास्तव, हीरो राघव पाण्डेय, अभिनेता कृष्णा कुमार, अभिनेत्री रूपा सिंह का नाम शामिल रहा। इस मौके पर संजय श्रीवास्तव नें कहा की भोजपुरी उनके रग-रग में रचा बसा है। ऐसे में यह सम्मान भोजपुरी को आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी। अभिनेता राघव पाण्डेय नें कहा कि बस्ती में मिले इस सम्मान का ऋण वह कभी भी नहीं उतार पायेंगे। उन्होंने कहा की आने वाले दिनो में वह बस्ती में भी अपने फिल्मों को शूट कराएँगे। अभिनेता कृष्णा कुमार नें कहा की भोजपुरी फ़िल्में आज दुनियाँ भर में देखी जा रहीं हैं यह भोजपुरी के बढती लोकप्रियता का परिणाम है।

विधायक प्रतिनिधि ने किया एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन

गोरखपुर/विकासखंड खंड चरगांवा अंतर्गत ग्राम सभा महाराजगंज के टोला मुर्तनवा में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता के उद्घाटन के अवसर पर कबड्डी प्रतियोगिता आयोजन समिति के अध्यक्ष चंदन निषाद एवं कमेटी के सदस्यों की उपस्थिति में पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक महेंद्र पाल सिंह के प्रतिनिधि अरविंद सिंह ने रिबन काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया एवं युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि गांव के इन्हीं खलिहान में जिसमें गांव के युवा खेल के माध्यम से अपने भविष्य को निखार रहे हैं। इन्हीं मैदानों से तप कर यह युवा जनपद प्रदेश एवं भारत के लिए खेलेंगे और मेडल जीतेंगे और अपने गांव समाज परिवार एवं देश का नाम रोशन करेंगे सरकार युवाओं के खेल प्रोत्साहन हेतु विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है/युवाओं से अपील है कि खेल की प्रतिभा को निखारते हुए सरकार की योजनाओं का लाभ लेते हुए।

कंप्यूटर कक्ष का इंजीनियर वीरेंद्र कुमार मिश्र एवं राजेंद्र प्रसाद गौड सदस्य अनुसूचित जनजाति ने कमरे का किया लोकार्पण

पौध रोपड़ के हवन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दुबौलिया। ब्लाक क्षेत्र के एबीएस कॉन्वेंट स्कूल बरसाव हेंगापुर, मे रविवार को कंप्यूटर कक्ष का उद्घाटन मुख्य अतिथि रहे इंजीनियर वीरेंद्र कुमार मिश्र एवं राजेंद्र प्रसाद गौड सदस्य अनुसूचित जनजाति ने कंप्यूटर कक्ष का लोकार्पण कर किया।साथ ही पौधारोपण एंव हवन का आयोजन हुआ। जिसमें सामाजिक कार्यों के विद्यालय प्रबंधक अशोक कुमार तिवारी की ओर से जमीन भी दान की गई। पर्यावरण संरक्षण एवं जल संचयन महाअभियान के तहत रविवार को एबीएस कॉन्वेंट स्कूल पर पौधारोपण संकल्प अभियान का कार्यक्रम रखा गया।जिसमे उपस्थित लोगों ने सपथ लिया कि वृक्षों की रक्षा करेंगे और खुद पौधारोपण करते हुए लोगों को पौधारोपण के लिए जागरूक करेंगे। विगत वर्ष 2019/20 मे पौधारोपण महा अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि रहे इंजीनियर समाजसेवी वीरेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि पौधे मानव के लिए पुत्र से अधिक उपयोगी है। हमें पौधो को नष्ट करने के बजाय उनकी रक्षा के लिए हमें संकल्प लेना चाहिए। अनुसूचित जनजाति के सदस्य राजेंद्र गौड़ ने कहा कि बेटे के जन्मदिन का उत्सव पौधे रोपित कर मनाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण एवं जल संचयन अभियान शपथ ग्रहण से पूर्व विद्यालय के नवनिर्मित कंप्यूटर कक्ष का उद्घाटन किया गया साथ है विद्यालय परिसर में पौधे रोपित किए गए। कम्पयूटर कक्ष का लोकापर्ण होने से बच्चों को सीखने का मौका मिल सकेगा। पढ़ाई के साथ कम्पयूटर के बारे में जानकारी भी आवश्यक है। पढ़ाई के दौर में कम्पयूटर की शिक्षा आवश्यक है। इससे बच्चों को पढ़ाई करने में मदद मिल सकेगी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक व मौजूद अतिथियों ने हवन यज्ञ कर सामाजिक कार्यों में उपयोग आने के लिए एक बीघे जमीन भी दान करने की घोषणा की।कार्यक्रम के आयोजक विधालय प्रबंधक अशोक कुमार तिवारी ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिध प्रवीण कुमार शीतला पान्डे , देशराज सिंह चंद्रभान शुक्ल, प्रदीप तिवारी, शैलेंद्र सिंह,रामस्वरूप शुक्ला, राजेश राजभर श्री राम भारती, शिवम त्रिपाठी, हर्षित चतुर्वेदी, राना सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

केवट प्रसंग, दशरथ मरण, भरत मिलाप की जीवंत प्रस्तुति पर नम हुई दर्शकों की आंखें

बस्ती। सनातन धर्मी संस्था और श्री रामलीला महोत्सव आयोजन समिति की ओर से अटल बिहारी वाजपेई प्रेक्षागृह में चल रहे श्रीराम लीला के छठवें दिन माता कौशल्या संवाद, निषाद राज गुह से मिलन, केवट प्रसंग, चित्रकूट प्रसंग, दशरथ मरण व भरत मिलाप का जीवंत और भावुक मंचन किया गया। धनुषधारी आदर्श रामलीला समिति अयोध्या के कलाकारों द्वारा किया गया मंचन बहुत ही भावुक करने वाला रहा, राम राम कहते हुये पुत्र वियोग में दशरथ मरण, भरत मिलाप के दृश्य ने लोगों के नेत्रों को सजल कर दिया।

व्यास कृष्ण मोहन पाण्डेय, विश्राम पाण्डेय ने कथा सूत्र पर प्रकाश डालते हुये बताया कि जीवों को संसार सागर से पार कराने वाले भगवान श्रीराम को केवट ने नदी पार कराया। इस दौरान केवट की चतुराई भरी बातों से राम ही नहीं दर्शक भी मुस्करा उठे। रामलीला की शुरुआत भगवान लक्ष्मीनारायण की आरती से हुई। इसके बाद रामलीला का मंचन शुरू हुआ। राज दरबार व अयोध्या नगरी दुःख में डूबी थी। महाराज दशरथ अचेत जैसी स्थिति में थे। राम, लक्ष्मण व सीता ने नदी के तट से सुमंत को वापस भेज दिया, उन्हें छोड़ने गये नगरवासी भी दुखी मन से वापस आ गये। नदी तट पर पहुंचने के बाद निषाद राज से भेंट होती है। इस प्रसंग में केवट ने कहा कि प्रभु, मैंने सुना है कि आपके पैरों में जादू है, आपके पैरों ने पत्थर को छुआ तो वह स्त्री हो गई। मेरी नौका तो काठ की है। 'जासु नाम सुमिरत एक बारा। उतरहिं नर भवसिंधु अपारा' सोइ कृपालु केवटहि निहोरा। जेहिं जगु किय तिहु पगहु ते थोरा''। श्रीराम के बार- बार आग्रह करने पर चरण धोकर नाव पर चढ़ाने को तैयार होता है। उसकी इस चतुराई पर राम मुस्कराए और आंखों से इशारा किया चरण धोने का। भगवान के चरण धोकर केवट की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। श्रीराम केवट को गंगा पार उतारने के लिए दक्षिणा देना चाहते हैं, वह चतुराई से यह कहकर मना कर देता है कि- भगवान मैंने आपको गंगा पार कराया है, आप भवसागर पार लगा देना। उधर सुमंत जब अयोध्या पहुंचते हैं, राजा दशरथ श्रीराम लक्ष्मण, सीता के वन से वापस नहीं आने के बारे में पूछते हैं, तो सुमंत सारा वृत्तांत सुनाते हैं। राम-लक्ष्मण, सीता को न देखकर हे-राम-राम कहकर दशरथ प्राण त्याग देते हैं। राजा दशरथ के मरने के बाद गुरु वशिष्ठ भरत-शत्रुघ्न को ननिहाल से संदेश देकर बुलाया जाता है। राजा दशरथ के अंतिम संस्कार के बाद भरत-शत्रुघ्न अयोध्या चित्रकूट के लिए रवाना होते हैं। चित्रकूट में श्रीराम- भरत का मिलाप होता है। श्रीराम के आदेश पर भरत उनकी चरण पादुका लेकर अयोध्या वापस आते हैं। दशरथ की भूमिका में प्रेम नारायण, श्रीराम की भूमिका में ज्ञान चन्द्र पाण्डेय, लक्ष्मण की भूमिका में राजा बाबू और माता सीता की भूमिका में मोनू पाण्डेय ने मंच पर श्रीराम लीला को जीवन्त किया। संचालन पंकज त्रिपाठी ने किया। दर्शकों में मुख्य रूप से अरविन्द पाल, राम बाबू श्रीवास्तव, अनुराग शुक्ल, बृजेश सिंह मुन्ना, आशीष शुक्ल, हरीश त्रिपाठी, डॉ अभिनव उपाध्याय, प्रशांत पाण्डेय, विकास दुबे, सोनू दुबे, राहुल त्रिवेदी, नितेश शर्मा, भोलानाथ चौधरी, अभय त्रिपाठी, अमन त्रिपाठी, अंकित त्रिपाठी, पवन, जॉन पाण्डेय आदि शामिल रहे।

सात सीटों पर थमा उप चुनाव प्रचार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा की सात सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव के लिए प्रचार रविवार शाम को समाप्त गया। इन सातों सीटों पर तीन नवंबर को मतदान होना है, जिनमें से पहले छह सीटें सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एक सीट समाजवादी पार्टी (सपा) के पास रही है। इस उपचुनाव का परिणाम 10 नवंबर को आएगा। सातों सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव में निर्दलीय समेत कुल 88 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें सर्वाधिक 18 प्रत्याशी बुलंदशहर सीट पर हैं। जौनपुर जिले की मल्हनी सीट पर 16 उम्मीदवार आमने-सामने हैं। अमरोहा जिले की नौगांव-सादात सीट और देवरिया सीट पर 14-14 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इसके अलावा फिरोजाबाद की टूंडला और उन्नाव की बांगरमऊ सीट पर 10-10 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि कानपुर की घाटमपुर विधानसभा सीट पर सबसे कम छह उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा, सपा, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने इस चुनाव में अपने-अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। कुछ सीटों पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन ने भी अपने प्रत्याशी उतारे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं डॉ दिनेश शर्मा तथा पार्टी पदाधिकारियों एवं अन्य मंत्रियों ने डिजिटल माध्यम से संवाद के अलावा चुनाव क्षेत्रों में जाकर लगातार जनसभाएं और जनसंपर्क किया। राजनीतिक विश्लेषक राजीव रंजन सिंह ने कहा, यह चुनाव सत्तारूढ़ दल के लिए वाकई प्रतिष्ठा का सवाल है, क्योंकि 2017 के आम चुनाव में इनमें से छह सीटें भाजपा ने जीती थीं। अगर इन सीटों पर भाजपा को दोबारा जीत नहीं मिली, तो इसके निहितार्थ निकाले जाएंगे। राजीव ने कहा कि इस उपचुनाव में सरकार की लोकप्रियता के आकलन के साथ ही 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव का भी पूर्वाभ्यास हो रहा है। स्वतंत्र देव सिंह ने दावा किया कि सभी सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार जीतेंगे। हालांकि सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि सपा का लक्ष्य 2022 का विधानसभा चुनाव है और जीत की शुरुआत उपचुनाव से ही होगी। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा, ''विधानसभा उपचुनाव में मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, ऐसे में भाजपा अपनी हार की आशंका के चलते चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग और मतदाताओं को भयभीत करने का हथकंडा अपना रही है।'' चौधरी ने दावा किया कि छह सीटों पर सपा और एक पर रालोद का उम्मीदवार जीतेगा। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने भी भाजपा सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताते हुए दावा किया कि जनता ने भाजपा सरकार को सबक सिखाने की ठान ली है और उपचुनाव में इसका असर दिखेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के पतन की शुरुआत इस उपचुनाव से ही होगी और कांग्रेस जीतेगी। इस बीच, राज्य सभा चुनाव में एक अप्रत्याशित घटनाक्रम के चलते बसपा की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भाजपा से अपनी नजदीकी बढ़ाने वाले बयान दिए, जिसके बाद अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा और बसपा के बीच समझौता है। उपचुनावों से अनुमान दूर रहने वाली बसपा इस बार विधानसभा की सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े कर रही है। बसपा के एक नेता ने कहा कि चुनाव परिणाम बसपा के ही पक्ष में आएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार में मंत्री रहे पूर्व क्रिकेटर चेतन चौहान के निधन से रिक्त हुई नौगांव-सादात सीट पर भाजपा ने उनकी पत्नी संगीता चौहान, कांग्रेस से कमलेश सिंह, सपा से जावेद अब्बास, बसपा से फुरकान और रालोद से हशमत अली समेत अन्य उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य सरकार में मंत्री कमल रानी वरुण के निधन के रिक्त हुई घाटमपुर सीट पर भाजपा से उपेंद्र नाथ पासवान, सपा से इंद्रजीत कोरी, बसपा से कुलदीप संखवार और कांग्रेस से डॉ कृपा शंकर उम्मीदवार हैं। विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के मुख्य सचेतक रहे वीरेंद्र सिंह सिरोही के निधन के बाद भाजपा ने बुलंदशहर सीट पर सिरोही की पत्नी ऊषा सिरोही, बसपा ने मोहम्मद यूनुस, कांग्रेस ने सुशील चौधरी, कांग्रेस पार्टी ने योगेंद्र शंकर शर्मा, आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन ने दिलशाद अहमद और राष्ट्रीय लोकदल ने प्रवीण कुमार सिंह को मौका दिया है।

राज्य सड़क निधि के तहत विभिन्न जनपदों के 81 मार्गों के चालू कार्यो के लिए धनराशि अवमुक्त

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा राज्य सड़क निधि के अंतर्गत विभिन्न जनपदों में 81 मार्गों के चालू कार्यों हेतु रू0 14 करोड़ 97 लाख 71 हजार की धनराशि अवमुक्त की गई है। इस संबंध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन, लोक निर्माण अनुभाग-1 द्वारा जारी कर दिया गया है। जिन जनपदों में के लिए धनराशि जारी की गई है, उनमें आगरा, मैनपुरी, अमेठी, अयोध्या, बाराबंकी, बलिया, बहराइच, गोंडा, महाराजगंज, हरदोई, उन्नाव, अमरोहा एवं फतेहपुर हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी कार्यो को निर्धारित मानकों के अनुरुप एवं गुणवत्तायुक्त ढंग से, निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत पूरा किया जाए तथा शासनादेश में जारी दिशा निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

सब्जियों की बढ़ती कीमतों पर योगी सख्त, बोले जमाखोरों के खिलाफ हो कार्रवाई

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आलू, प्याज तथा अन्य सब्जियों और दाल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए जमाखोरों के खिलाफसख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने रविवार को आयोजित बैठक के दौरान आलू, प्याज और अन्य सब्जियों तथा दाल आदि के दामों को नियंत्रित करने के लिए जमाखोरों के खिलाफसख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने जमाखोरों के खिलाफछापेमारी की कार्रवाई करने को भी कहा। योगी ने कहा कि राज्य सरकार इन आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के सभी प्रयास कर रही है। राज्य सरकार जनता की कठिनाइयों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जमाखोरों के खिलाफप्रभावी ढंग से छापेमारी की कार्रवाई कर आलू, प्याज सहित अन्य सब्जियों तथा दालों आदि की बाजार में पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो।

सालीटेयर सिटी कालोनी में एलडीए ने अवैध निर्माण को ध्वस्त किया

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिषेक प्रकाश ने शहर में किये गये अवैध निर्माणों के विरूद्ध ध्वस्तीकरण करने की योजना पर कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गयी है। राशीद नईम, मैसर्स शाइन सिटी द्वारा सालीटेयर सिटी कालोनी, नहर के किनारे, मोहनलालगंज, गोसाईगंज रोड, लखनऊ पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराये अवैध रूप से कालोनी विकसित की जा रही थी। राशीद नईम ने लगभग 90000 वर्गमीटर क्षेत्रफल की भूमि पर अवैध निर्माण किया था। अवैध निर्माण किये जाने पर प्राधिकरण के विहित न्यायालय में वाद संख्या 18/2018 योजित किया गया था। स्थल पर स्वीकृत मानचित्र न प्रस्तुत किये जाने तथा अवैध निर्माण किये जाने पर विहित प्राधिकारी ऋतु सुहास ने दिनांक 04.12.2019 को ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये थे।

हार के अंदेशे में प्रशासनिक मशीनरी का इस्तेमाल कर रही भाजपाः अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि तीन नवम्बर 2020 को होने वाले राज्य विधान सभा के उपचुनावों में सातों सीटों पर जनता ने भाजपा को हराने और समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल के प्रत्याशी को जिताने का मन बना लिया है। अपनी हार के अंदेशे में भाजपा अब सत्ता का दुरूपयोग कर मतदाताओं को भयभीत करने के लिए प्रशासनिक मशीनरी का इस्तेमाल कर रही है। भाजपा को लोकतंत्र, लोकलाज और लोकमर्यादा के प्रति कभी आस्था नहीं रही है। वह तो सत्ता पाने के लिए कुछ भी गलत करने में परहेज नहीं करती है। इसलिए उपचुनावों में मतदान की स्वतंत्रता और निष्पक्षता बनी रहे इसके लिए, चुनाव आयोग को संवेदनशील क्षेत्रों में केन्द्रीय सुरक्षा बल लगाना चाहिए और आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामलों में कड़ाई बरतनी चाहिए। उप चुनावों को प्रभावित करने के लिए भाजपा सरकार के मंत्रीगण सम्बन्धित निर्वाचन क्षेत्रों में डेरा डाले हुए हैं। बेसिक शिक्षामंत्री तो शिक्षकों से सीधे ही भाजपा के पक्ष में मत डलवाने को कह रहे है। प्रधानों, कोटेदारों, लेखपालों और पुलिस कर्मियों को धमकी और प्रलोभन देकर भाजपा सरकार मनमानी करने पर उतारू है। लेकिन भाजपा की नीति, नीयत, चाल और चरित्र से जनता भलीभांति परिचित हो चुकी है। भाजपा राज में बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ी है। लोगों का जानमाल सुरक्षित नहीं रह गया है। हर तरफ लूट और भ्रष्टाचार का बोलबाला है नफ़रत की भाजपाई राजनीति ने समाज को बांटने और सामाजिक न्याय की ताकतों को कमजोर करने की कोशिश की है। विधानसभा उपचुनावों में 6 सीटों पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी है जबकि बुलंदशहर की सीट से राष्ट्रीय लोक दल प्रत्याशी को समाजवादी पार्टी अपना समर्थन सहयोग दे रही है।

वन मंत्री ने दुधवा एवं पीलीभीत टाईगर रिजर्व पर्यटन सत्र का किया ऑनलाइन शुभारम्भ

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि वन मैन-वन जॉब की तर्ज पर दुधवा नेशनल पार्क एवं पीलीभीत टाइगर रिजर्व में ज्यादा से ज्यादा स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जाये। स्थानीय लोगों को ड्राइवर, गाइड आदि पदों पर रखने से वे जंगल के प्रति समर्पित भाव से काम करेंगे। यह विचार श्री चौहान ने आज यहां वन विभाग के मुख्यालय पर दुधवा नेशनल पार्क एवं पीलीभीत टाइगर रिजर्व के वर्ष 2020-21 के पर्यटन सत्र के ऑनलाइन शुभारम्भ के उपरान्त व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दुधवा नेशनल पार्क और पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पूर्व में पर्यटन सत्र 15 नवम्बर से आरम्भ हुआ करता था, परन्तु कतिपय स्रोतों से यह अनुरोध प्राप्त होने पर कि जिस प्रकार अन्य प्रदेशों में टाइगर रिजर्व 15 अक्टूबर से खोल दिये जाते है, उसी प्रकार उत्तर प्रदेश के टाइगर रिजर्वो को भी खोला जाये।

एसटीएफ के हत्थे चढ़े दो तस्कर, एक करोड़ 70 लाख का गांजा बरामद

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अन्तरर्राज्यीय स्तर पर मादक पदार्थो की तस्करी करने वाले गिरोह के ट्रक सवार दो सदस्यों को आज झांसी के नवाबाद सी क्षेत्र से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 708.49 किलोग्राम गांजा बरामद किया। जिसकी कीमत करीब एक करोड़ 70 लाख रुपये आंकी गई है।एसटीएफ प्रवक्ता ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विगत काफी दिनों से आन्ध्र प्रदेश से लेकर राज्य के विभिन्न जिलो में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले तस्करों के सक्रिय होने की सूचनायें प्राप्त हो रही थी, जिनके विरूद्ध कार्रवाई के लिए एसटीएफ को निर्देशित किया गया था। इस सम्बन्ध एसटीएफ मुख्यालय से अपर पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह के पर्यवेक्षण में एक टीम को अभिसूचना संकलन के लिए लगाया गया था। उन्होंने बताया कि अभिसूचना संकलन के दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि रविवार को एक 10 टायरा एलपी ट्रक आन्ध्र प्रदेश के राजमुन्द्री से गांजे की बड़ी खेप लेकर हाथरस लाया जा रहा है और वहां किन्ही लोगों को देनी है। इस सूचना पर उपनिरीक्षक करूणेश पाण्डेय के नेतृत्व में एक टीम गठित कर झांसी भेजी गयी और वहां पहुंचकर स्थानीय पुलिस को सूचना से अवगत कराते हुए साथ लेकर मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान बजरंग चौकी स्थित सखी हनुमान मन्दिर के सामने झांसी-कानपुर हाइवे पर नवाबाद पहुंचकर ट्रक की तलाशी के दौरान 708.49 किलोग्राम गांजा बरामद किया। मौके से एटा निवासी पुष्पेन्द्र सिंह और अनिल प्रताप को गिरफ्तार किया। उनके पास से तीन मोबाइल और अन्य कागजात बरामद किए।

मायावती ने बिहार की जनता से की अपील, कहा

एक बार बसपा गठबंधन को दें मौका

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने बिहार की जनता से अपील की है कि विधानसभा चुनाव में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) गठबंधन को बार बार आजमाने के बजाय उनकी पार्टी को मौका दें। मायावती ने रविवार को ट्वीट किया कि बिहार विधानसभा आमचुनाव के अन्तर्गत दूसरे चरण में 94 सीटों पर प्रचार की प्रक्रिया आज समाप्त होने के साथ ही 3 नवम्बर को मतदान पर समग्र ध्यान केन्द्रित है। मतदाताओं से अपील है कि उन्होंने जद-यू व राजद गठबंधन की सरकारों को बहुत आजमाया है। अब हमारे नए गठबंधन को एक मौका जरूर दें। कुशल प्रशासक की छवि वाली मायावती ने बिहार में चुनाव के लिए असदद्दीन ओवैसी की पार्टी के साथ गठबंधन किया है। दलित और पिछड़े वर्ग की हिमायती बसपा का एआईएमआईएम के साथ गठबंधन मुस्लिम दलित गठजोड़ का परिचायक बन सकता है। बसपा सुप्रीमो ने इससे पहले एक अन्य ट्वीट में यूपी और मध्यप्रदेश में तीन नवम्बर को होने वाले मतदान में बसपा उम्मीदवारों को जिताने की अपील की है। उन्होंने कहा, ''उत्तर प्रदेश की सात व मध्यप्रदेश की 28 विधानसभा सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव हेतु प्रचार की आज समाप्ति के साथ ही आगामी 3 नवम्बर के मतदान पर सभी का ध्यान केन्द्रित है। मतदाताओं से अपील है कि वे बीएसपी के उम्मीदवारों को सफल बनाकर यहाँ विरोधियों को सही राजनीतिक संदेश दें तो बेहतर।श् उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बसपा को अगर किसी भी सीट पर जीत हासिल होती है तो इसका मनोवैज्ञानिक असर 2022 के विधानसभा चुनाव में पड़ना तय है। 2017 के चुनाव में इन सात सीटों में से छह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एक में समाजवादी पार्टी (सपा) ने कब्जा किया था।

तेजी से बदला मौसम का मिजाज अगले कुछ दिनों में बढ़ेगी ठंड

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत सूबे के लगभग सभी जिलों के मौसम का मिजाज बदलता दिखाई दे रहा है। हाल ही में ठंडी हवाओं की वजह से तापमान में काफी गिरावट आई है। इसके असर से आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ सकती है। साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश की संभावना भी बढ़ गई है। अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में यूपी के मौसम में तेजी से बदलाव हुआ। इस वजह से सुबह और शाम के समय ठंडी हवाएं और सर्दी बढ़ा रही हैं। मौसम विभाग के मुताबिक हिमाचल के रिहायशी इलाकों में काफी बर्फबारी के चलते प्रदेश में ठंड तेजी से बढ़ रही है। आने वाले दिनों में तापमान और गिरेगा जिसके चलते ठंड अपने पिछले रिकॉर्ड तोड़ेगी। राजधानी लखनऊ के अमौसी स्थित आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक जेपी गुप्ता के मुताबिक अगले कुछ दिनों में पारा और गिरने की संभावना है। इसका असर कड़ाके की ठंड में तब्दील हो सकता है। अगले एक हफ्ते में प्रदेश के तमाम जिलों का तापमान 2 से 4 डिग्री तक की गिरने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में भी एअर प्रेशर एरिया विकसित हो रहा है। जिसकी की वजह से पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। जो ठंड को और बढ़ाएगी। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक दिल्ली से सटे यूपी के जिलों नोएडा, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा में ठंड का प्रभाव ज्यादा बढ़ेगा। इसके अलावा लखनऊ, कानपुर, इटावा, बाराबंकी, सीतापुर, बहराइच और रायबरेली समेत तमाम जिलों में दीपावली तक ठंड बढ़ जाएगी। जिसके चलते लोगों को अच्छे खासे गर्म कपड़े भी निकालने पड़ सकते हैं।

बेटे की शराब के कारण हुई मृत्यु सांसद कौशल किशोर ने देश को नशा मुक्त करने की प्रतिज्ञा ली

लखनऊ, संवाददाता। जवान शादीशुदा बेटी की नशे के कारण मृत्यु से दुखी मोहनलालगंज से भाजपा सांसद कौशल किशोर ने देश को नशा मुक्त करने की प्रतिज्ञा ले ली है। भावुक सांसद ने सोशल मीडियो पर एक पत्र जारी किया जिसमें उसने अपने पुत्र के प्रति मोह व उसे नशे से बाहर न ला पाने का मलाल साफझलक रहा है। सांसद का पुत्र आकाश किशोर उर्फ जैकी महज 28 वर्ष का था और उसे पत्नी से एक बेटा भी था। शराब पीने से हुए ज्वाइंडिस और लीवर डैमेज के कारण उसकी 19 अक्टूबर को मृत्यु हो गई थी। सांसद अपने पुत्र के नशे की आदत से वाकिफ थे। उन्होंने उसे नशामुक्ति केंद्रों में भर्ती भी कराया, लेकिन आकाश नशा छोड़ न सका। कौशल किशोर का मानना है कि कोई अपने आप नशा नहीं करता। बल्कि कोई न कोई उसे उकसाता है। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा भी इसी का शिकार हुआ। मैंने बहुत लोगों को नशे से जुड़ी शराब, बीड़ी, सिगरेट, मसाला छुड़वा दिया, लेकिन खुद के बेटे को शराब नहीं छुड़वा सका, मुझे इस बात की बहुत तकलीफ है। नशे के कारण कई घर बर्बाद होते हैं। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। सांसद 3 दिसंबर को लखनऊ के गांधी भवन सभागार में एक नशा मुक्त समाज बनाने का आंदोलन शुरू करेंगे, जिसके लिए उन्होंने जन सहयोग की मांग भी की है। नशा मुक्त समाज की स्थापना के लिए रविवार को उन्होंने अपने आवास पर बैठक आयोजित की जिसमें स्वयंसेवकों ने हर तरह से सहयोग की पेशकश की। सांसद ने पत्र लिखा कि नई पीढ़ी के लोग नशे से बचें। मेरे बेटे की तरह किसी दूसरे का बेटा या बेटी नशे का शिकार होकर कम उम्र में अपनी जान नहीं देगा। इसलिए नई पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए 3 दिसंबर 2020 को लखनऊ के गांधी भवन सभागार में सुबह 11 बजे से नशा मुक्त समाज बनाने का आंदोलन शुरू किया जाएगा।

स्वस्थ बचपन से बनेगा सशक्त उत्तर प्रदेशः मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से शिशु स्वास्थ्य सुरक्षा को जनांदोलन बनाने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि जब तक बचपन स्वस्थ और सुरक्षित नहीं होगा तब तक सुनहरे उत्तर प्रदेश के सपना साकार नहीं हो सकता। उन्होंने कहा है कि प्रदेश में शिशु मृत्यु दर में कमी आई है, पर अब भी हमारे लिए यह एक बड़ी चुनौती है। हम इसे राष्ट्रीय औसत से नीचे लाने के लिए हर कोशिश करेंगे। मुख्यमंत्री रविवार को अपने सरकारी आवास पर कोविड संक्रमण काल में छूटे हुए बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के लिए समर्पित विशेष टीकाकरण अभियान, आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत छूटे हुए लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड वितरण तथा टीबी मरीजों की खोज के विशेष अभियान का शुभारंभ कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों की हर प्रकार से सुरक्षा के लिए उत्तर प्रदेश सरकार समर्पित है। कोविड संक्रमण काल में बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी टीकाकरण का कार्य रुक गया था। अब अभियान चला कर इसे पूरा किया जाएगा। नवंबर 2020 से जनवरी 2021 तक चलने वाले इस विशेष अभियान में प्रदेश के सभी ग्रामीण ब्लॉक, शहरी क्षेत्रों में लेफ्ट आउट एवं ड्रॉप आउट बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण का कार्य बुधवार एवं शनिवार के साथ अब सोमवार को भी होगा। अभियान के तहत प्रदेश के सभी जिलों में टीकों से छूटे हुए बच्चों को समस्त खुराकों से आच्छादित किया जाना है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए।

चिकित्सा विभाग में जनहित गारंटी अधिनियम के लिए रू0 40,88,700.00 मंजूर

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में में जनहित गारंटी अधिनियम प्रभावी रूप से लागू किए गए जनहित गारंटी अधिनियम 2011 के एनुअल मेंटिनेंस कांट्रैक्ट हेतु इस वर्ष शासन ने रुपए 40,88,700.00 धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति दे दी है। इस संबंध में शासन ने 31 अक्टूबर 2020 को आदेश जारी करते हुए इस कार्य के लिए 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी की अनुमति भी दी है, शासन ने यह भी निर्देशित किया है कि भविष्य में केंद्र अथवा प्रदेश सरकार यदि जीएसटी की दरों में परिवर्तन करेगी तो परिवर्तित दर के अनुसार जीएसटी की राशि स्वीकृत होगी।

फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण हो रहे नुकसान से जागरूकता लिए एनसीसी, एनएसएस तथा स्काउट गाइड करेगा जागरूक

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा फसल अवशेष, कूड़ा या अन्य अवशेष न जलाने के प्रति जनसामान्य के मध्य जागरूकता अभियान चलाने के लिए जनपद में स्थित एन.सी.सी.,एन.एस. एस. तथा भारत स्काउट एवं गाइड की सेवाएं लिए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए जनपद में स्थित इन संस्थाओं के जनपद स्तरीय प्रमुख एवं संयोजक के साथ बैठक आयोजित कर रणनीति तैयार कर ली जाए। सरकार द्वारा समस्त जिलाधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा गया है कि जनपद में स्थित समस्त प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षारत विद्यार्थियों व अन्य स्वयंसेवकों का सहयोग लिया जाए। यह जानकारी अपर मुख्य सचिव, कृषि, डॉ देवेश चतुर्वेदी ने देते हुए बताया कि इस संबंध में कृषि विभाग द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि जारी निर्देशों में इन संस्थाओं के वॉलिंटियर्स द्वारा अपने गांव के निवासियों को पराली जलाने से हो रहे नुकसान, बढ़ते हुए प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य को हो रहे नुकसान तथा पराली जलाने से मृदा को हो रहे नुकसान तथा इसके कारण कोरोना इलाज में आने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराये जाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि यदि वॉलिंटियर्स के समझाने के उपरांत भी किसी व्यक्ति द्वारा पराली व कूड़ा जलाया जाता है, तो इसकी सूचना जिले में स्थापित राजस्व विभाग के कंट्रोल रूम को दी जाए। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से भी छात्रों के मध्य संदेश प्रसारित किया जाए, जिससे वह अपने क्षेत्र में किसानों को पराली प्रबंधन हेतु जागरूक कर सकें। जनपद में स्थित समस्त विभागों के प्रचार वाहनों का उपयोग कर पराली प्रबंधन एवं फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण एवं स्वास्थ्य को हो रहे नुकसान, कोरोना संकटकाल में कोरोना के मरीजों पर इसके दुष्प्रभाव तथा स्वास्थ्य के नुकसान के बारे में जागरूक किया जाए। डॉ0 चतुर्वेदी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ नगरीय क्षेत्र में भी कूड़ा जलाने एवं अन्य अपशिष्ट जलाने की घटनाओं से प्रदूषण बढ़ रहा है।

पंजाब की कांग्रेस सरकार यूपी के भू-माफिया मुख्तार अंसारी को बचा रहीः सिद्धार्थनाथ सिंह

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा है कि पंजाब की कांग्रेस सरकार यूपी के भू-माफिया मुख्तार अंसारी को बचा रही है। उसे संरक्षण दे रही है। उसे प्रदेश भेजने में आनाकानी कर रही है। सिद्धार्थनाथ सिंह रविवार को पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की नीति है। इसी के तहत भू-माफियाओं के खिलाफ तेजी से कार्रवाई की जा रही है। राजनीतिक संरक्षण प्राप्त भू-माफियाओं द्वारा ये सभी जमीनें-संपत्तियां दलितों, गरीबों, किसानों, व्यापारियों से या तो छीनी गई थीं या उनका उत्पीड़न कर कब्जा की गई थीं। प्रदेश की भाजपा सरकार ऐसे भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए इन जमीनों को वापस ले रही है। भविष्य में इन पर गरीबों के लिए आवास निर्मित किए जाएंगे। भू-माफियाओं के खिलाफजब ऐसी कार्रवाई की जाती है।

प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित केवल 1989 नये मामले

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने बताया कि प्रदेश में कोविड-19 के संक्रमण दर में लगातार गिरावट आ रही है, लेकिन यह समय और अधिक सावधानी बरतने का है। उन्होंने कहा कि कई देशों एवं राज्यों में कोविड की 'सेकण्ड वेव' देखने को मिली है। इसलिए आवश्यक है कि कोविड-19 संक्रमण के बचाव के सभी उपायों को अपनाते हुए सावधानी बरतें, जिससे कोरोना संक्रमण की गिरती दर पुनः न बढ़े। श्री सहगल ने बताया कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल 1,51,730 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 1,50,15,118 सैम्पल की जांच की गयी है। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित केवल 1989 नये मामले आये हैं। प्रदेश में विगत 24 घंटे में 2390 मरीज उपचारित होकर डिस्चार्ज हुए हैं। प्रदेश में अब तक कुल 4,53,458 व्यक्ति उपचारित होकर डिस्चार्ज किये गये हैं। प्रदेश में 23,323 कोरोना के एक्टिव मामले हैं। एक्टिव मामलो में निरन्तर गिरावट हो रही है। उन्होंने कहा कि आस-पास के राज्यों में दोबारा बढ़ रहे कोरोना संक्रमण एवं बदलते मौसम को ध्यान में रखते हुए विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। चिकित्सकीय उपचार के लिए ई-संजीवनी पोर्टल शुरू किया गया है। जिसके के माध्यम से कल 2867 लोगों ने चिकित्सकीय परामर्श लिया। अब तक कुल 1,78,945 लोगों ने ई-संजीवनी पोर्टल पर चिकित्सकीय परामर्श लिया। श्री सहगल ने बताया कि प्रदेश में आर्थिक गतिविधियां तेजी से चले इसके लिए प्रदेश सरकार गंभीरता से प्रयास कर रही है। अधिक रोजगार सृजन के लिए भी कदम उठाये जा रहे हैं। प्रदेश में अद्यतन 4.35 लाख इकाईयों को आत्मनिर्भर पैकेज के अन्तर्गत रू0 10,753 करोड़ के ऋण स्वीकृत कर वितरित किये जा रहे हैं। आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश रोजगार, स्वरोजगार सृजन अभियान में इस वित्तीय वर्ष में 14 मई से आज तक लगभग 5.82 लाख नई एमएसएमई इकाईयों को रू0 15,541 करोड़ रुपये के ऋण वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि इन इकाईयों के माध्यम से 25 लाख रोजगार सृजन हुआ है। श्री सहगल ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा निरन्तर धान खरीद की समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि किसानों के धान की खरीद समय से हो तथा उन्हें धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य अवश्य मिले। धान खरीद का भुगतान 72 घंटे के अन्दर सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि जिलाधिकारी की यह जिम्मेदारी है कि किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो तथा क्रय केन्द्र सुचारू रूप से कार्य करे। उन्होंने बताया कि क्रय केन्द्रों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही करने पर अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

ट्रक व ट्रैक्टर ट्रॉली में भिड़न्त ड्राइवर समेत छह घायल

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ मड़ियांव में सीतापुर हाइवे पर भिठौली चौराहे के पास रविवार सुबह अंडे और चावल की बोरियों से भरे दो ट्रक व ट्रैक्टर ट्रॉली में भिड़न्त हो गई। एक ट्रक सड़क पर पलट गया। इस हादसे में ड्राइवर समेत छह लोग घायल हो गये। यह हादसा हाईवे पर ट्रैक्टर के अचानक रांग साइड से आ जाने की वजह से हुआ। हादसे से सीतापुर रोड पर काफी देर तक जाम लगा रहा। उधर पुलिस की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा गया जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।इंस्पेक्टर मड़ियांव विपिन सिंह ने बताया कि चौराहे पर ट्रैक्टर-ट्रॉली के रांग साइड आने से एक ट्रक के ड्राइवर ने बचने का प्रयास किया और तेजी से ब्रेक लगा दिया। इससे ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस बीच ही एक दूसरा ट्रक उससे और ट्रैक्टर से टकरा गया। इस हादसे से वहां अफ़रातफ़री मच गई। कुछ दूरी पर तैनात पुलिस वालों ने राहगीरों की मदद से घायलों को ट्रैक्टर व ट्रक से बाहर निकाला। चीख पुकार के बीच घायलों को अस्पताल भिजवाया गया।

डरावनी तस्वीर दिखाती चुनावी रैली और त्यौहारी भीड़

पूरे विश्व से कोरोना का कहर अभी समाप्त नही हुआ है। दूसरी लहर आने की लगातार सम्भावनाए जताई जा रही है। भारत में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा सौ लाख पहुचने के करीब है। ऐसे में सरकार द्वारा कोरोना को लेकर मधपान निषेध और आबकारी विभाग जैसा रवैया अपनाया जा रहा है। एक तरफ से सरकार कोरोना को लेकर इस प्रचार प्रसार में जुटी हुई है कि '' जब तक दवाई नही तब तक ढिलाई '' जैसे नारों और सैनेटाइरजेशन, सोशल डिस्टेसिंग पर जोर देने के साथ कोरोना बचाओं के उपाय के लिए प्रचार प्रसार में करोड़ो रूपये फूक्र रही है। वही कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर आने की प्रबल सम्भावना के बावजूद बिहार विधानसभा सहित देश की एक लोकसभा और लगभग 56 विधानसभाओं के उपचुनाव के लिए आयोजित हो रही चुनावी रैली में सोशल डिस्टेसिंग और मास्क विहीन जनता की उपस्थिति से आने वाले समय में एक भयावह तस्वीर उभर कर सामने आ रही है। बिहार के विधानसभा चुनाव के बाद वहॉ की जनता का अन्य राज्यों की ओर पलायन और संक्रमण के फैलाव को लेकर उपज रही आशंकाए डरावनी तस्वीर दिखा रहे है। एक तरफ जहॉ कोरोना संक्रमण के चलते स्कूलों को लगभग बंद रखा गया है दूसरी तरफ त्यौहारी बाजारों में भारी भीड़ के बीच बिना सोशल डिस्टेसिंग और बिना मास्क के कारण कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा कई गुना बढ़ चुका है। कोरोना वायरस को लेकर जिसका डर था, वही हो रहा है। त्यौहारी सीजन में कोरोना वायरस के मामले बढ़ने लगे हैं. देश के कई राज्य ऐसे हैं।

जहां कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी हो गई है. यहाँ तक कि इन राज्यों में मृत्युदर में भी बढ़ोतरी हुई है। त्यौहारी सीजन जगह-जगह पर धार्मिक कार्यक्रमों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो रहा है। लोग कम ही एहतियात बरत रहे हैं। यही वजह है कि कई राज्यों में कोरोना संक्रमण बढ़ा है। केसों में फिर से इजाफा हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक राज्यों में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ गये हैं। इन राज्यों में कोरोना संक्रमण पहले से काफी हुआ था, लेकिन अब फिर से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।इसके साथ ही कई राज्य ऐसे भी हैं जहां मृत्युदर में इजाफा हुआ है। इनमें दिल्ली भी शामिल है। इसके साथ ही महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, कर्नाटक भी है. इन राज्यों में कोरोना से मौतों के 58 प्रतिशत नए मामले दर्ज किए गए हैं।मध्यप्रदेश के 31 अक्टूबर 2020 के कोविड आकड़े के अनुसार 1,71,359 संक्रमित और लगभग तीन हजार मृत्यु के बीच हो रहे 28 विधानसभा उप चुनाव को लेकर चुनावों में कोविड संबंधी सावधानी बरतते हुए कैसे हो अभियान इस सवाल पर चुनाव आयोग और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के बीच ठन गई है।

चुनाव आयोग ने अब सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर दस्तक दी है। लेकिन इस बीच रैलियों में आती भारी भीड़ और उससे संक्रमण के फैलने के खतरे को देखते हुए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर पीठ ने अभियानों पर पाबंदी लगा दी थी। अदालत ने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी जिलों के मजिस्ट्रेटों को आदेश दिया था कि वो किसी भी उम्मीदवार या पार्टी को जन सभाएं आयोजित करने के लिए तभी अनुमति दें जब वो यह साबित कर सकें कि वर्चुअल चुनावी अभियान संभव नहीं है। यही नही अदालत ने यह भी कहा था कि रैली की अनुमति तभी दी जाए जब पार्टी या उम्मीदवार इतने पैसे जिला मजिस्ट्रेट के पास जमा करा दें जिनसे रैली में आने वाले सभी लोगों के लिए मास्क और सैनिटाइजर की व्यवस्था की जा सके।

इस संबंध में अदालत ने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का भी आदेश दिया था। अदालत के अनुसार इन दोनों नेताओं ने अपनी रैलियों में कोविड संबंधी सावधानी नहीं बरती थी। मध्य प्रदेश सरकार ने भी इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला लिया था, लेकिन अब खुद चुनाव आयोग ही इस लड़ाई में कूद गया है. आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि चुनाव कराना सिर्फ उसके अधिकार क्षेत्र में आता है और हाई कोर्ट का आदेश उसके अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप कर रहा है। आयोग ने यह भी कहा है कि हाई कोर्ट का आदेश सभी प्रतिद्वंदियों को सामान अवसर देने की अवधारणा पर असर डालेगा और पूरी चुनावी प्रक्रिया को ही पटरी से उतार देगा। निश्चित तौर पर आयोग का अपना तर्क जायज भी हो सकता है। अब बॉत करे बिहार राज्य की जहॉ 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव हो रहा है वहॉ की ताजी कोविड 19 की स्थिति यह है कि वहॉ 2,16,764 संक्रमितों के बीच अब तक दस हजार से ज्यादा मृत्यु हो गई है। ऐसे में अगर एक एक विधानसभा क्षेत्र मात्र तीन तीन रैली का अनुमान लगाया जाए तो काफी व्यापक संख्या में शामिल जनता के लिए मास्क और सैनिटाइजर की व्यवस्था करना नामुमकिन है। देश में त्यौहारी बाजारों के चलते अनुमानतः एक लाख के करीब ऐसे बाजार और माल क्षेत्र है जिनमें पचास हजार की भीड़ हमेशा बनी रहती है। धार्मिक कार्यक्रमों आदि में भी अब भीड़ उमड़ने लगी है। बढ़ते संक्रमण के खतरे और आने वाली लहर की सम्भावना के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हफ्ते एक बार फिर राष्ट्र को संबोधित करते हुए लोगों को सावधान किया कि कोरोना को लेकर लापरवाही बिल्कुल न बरती जाए। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक रूप से मन में आता है कि क्या प्रधानमंत्री के संबोधन की इस समय कुछ खास जरूरत नहीं थी? क्या सरकार कोरोना के खतरे को समझने और देशवासियों के सामने रखने में जाने अनजाने अतिरंजना का शिकार हो रही है? दुनिया के अन्य हिस्सों की तरफ नजर दौड़ाई जाए तो अमेरिका, रूस, स्पेन, ईरान आदि अनेक देशों में कोरोना का ग्राफ लहर की शक्ल में नजर आता है। यानी एक बार नीचे जाने के बाद दोबारा ऊपर आने वाला।इन सभी देशों में कोरोना वायरस तेजी से फैलने के बाद काफी हद तक काबू में आ गया था, लेकिन फिर तेजी से बढ़ने लगा। यह स्थिति वास्तव में डरावनी है। अब तक माना जा रहा था कि कोरोना चाहे जितना भी खतरनाक वायरस हो, पर इलाज और सावधानियों की बदौलत इस पर काबू पाया जा सकता है। इस दौरान स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था आदि तमाम मोर्चों पर जो भी नुकसान हो, पर एक बार महामारी से उबरने के बाद उसकी भरपाई की जा सकती है। अब ऐसे में आने वाले समय में अगर कोरोना कहर बनकर सामने आता है तो इसके लिए न तो सरकार जिम्मेदार होगी न ही निर्वाचन आयोग जिम्मेदार होगा न ही चुने हुए जनप्रतिनिधि जिम्मेदार होगें न ही स्थानीय प्रशासन जिम्मेदार होगा। क्योकि सभी पहले ही अपना कर्तव्य मधपान निषेध और आबकारी विभाग की तरह निभा चुके है, ऐसे में अब देश की जनता को अपनी सुरक्षा के लिए सर्तक रहना होगा।

सम्पादकीय

बेलिहाज पड़ोसी का कुबूलनामा

अच्छी बात है कि जो हम अब तक कहते आए हैंए उसे पाकिस्तानी हुकूमत भी मानने लगी है। पिछले साल पुलवामा में सीआरपीएफके काफिले पर पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने हमला किया थाए जिसकी पुष्टि हमारी राष्ट्रीय जांच एजेंसी ;एनआईएद्ध ने भी की है। फिर भीए पाकिस्तान इसे हमेशा से नकारता रहा था। मगर अब उसके एक केंद्रीय मंत्री ने स्वीकार किया है कि यह हमला इमरान खान सरकार की उपलब्धि है। हालांकिए विवाद बढ़ता देख मंत्री फवाद चौधरी ने नेशनल असंबेली ;संसदद्ध में दिए अपने इस बयान से पल्ला झाड़ लियाए पर तीर तो कमान से निकल चुका था। यह समझना होगा कि पाकिस्तान झूठ की बुनियाद पर टिका एक मुल्क है। 1947.48 का हमला हो या 1965 काए पाकिस्तान हमेशा से दावा करता रहा कि भारत ने जंग की शुरुआत कीए लेकिन वहां के एक सेवानिवृत्त एयर मार्शल ने बाद में खुद बयान दिए कि हमला पाकिस्तान की ओर से किया गया। कारगिल की कहानी भी अलग नहीं है। लिहाजाए पाकिस्तान भले लाख सफाई दे कि भारत में वह दहशतगर्दी को शह नहीं देताए लेकिन उसकी नीतियां खुद इसकी चुगली करती हैं। पाकिस्तान के लिए फवाद चौधरी जैसे बयानात अपने पांव पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। आतंकी फंडिंग को लेकर वह अब भी फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ;एफएटीएफद्ध की निगरानी में है। फरवरी में आतंकी फंडिंग रोकने की उसकी नीतियों की फिर से समीक्षा की जाएगी। जाहिर हैए खंडन के बावजूद यह बयान उसकी मुश्किलें बढ़ा सकता है। ऐसा नहीं है कि इस कुबूलनामे से वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान बेपरदा हो जाएगा। पूरी दुनिया जानती है कि आतंकवाद उसकी विदेश नीति का हिस्सा है। लेकिन अपने.अपने संकीर्ण हितों के कारण वे पाकिस्तान पर दबाव नहीं बनाना चाहते। जैसेए अमेरिका को उसकी इसलिए जरूरत हैए क्योंकि वह मानता है कि अफगानिस्तान से निकलने में पाकिस्तान उसकी मदद कर सकता है। चीन एशिया में भारत के बढ़ते कदम को थामने के लिए पाकिस्तान को शह देता रहता है। आकलन यह भी है कि पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का जखीरा बिना चीन की मदद के संभव नहीं था। अभी हीए तमाम देश फ्रांस की नीतियों की आलोचना कर रहे हैंए लेकिन चीन के उइगर मुसलमानों की बदहाली पर चुप्पी साधे हुए हैं। लिहाजाए फवाद चौधरी का बयान पाकिस्तान के दागदार चेहरे पर एक और धब्बा मात्र होगा। इससे उसकी सेहत पर बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। तो फिर हमें क्या करना चाहिएघ् जरूरी यह है कि पाकिस्तान की जड़ पर वार हो। चूंकि उसकी अंदरूनी हालत काफी खराब हैय बलूचिस्तानए खैबर पख्तूनख्वाहए सिंध जैसे तमाम इलाकों में स्थानीय समुदायोंए और खासतौर से पंजाबियों की नाराजगी हुकूमत से है। इसीलिए भारत चाहेए तो इन आंदोलनों को अपना समर्थन दे सकता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हमने कभी बलूचों की वकालत नहीं कीए पठानों की मुश्किलों का जिक्र भी नहीं कियाए और तो औरए पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की बदहाली की चर्चा भी नहीं की। भारत की तरफसे संयुक्त राष्ट्र में बतौर स्थाई प्रतिनिधि मेरा यही अनुभव रहा है। हमारी सरकार को अपनी यह नीति अब बदल लेनी चाहिए। हमें समझना होगा कि पाकिस्तान हमसे कतई दोस्ती नहीं कर सकता। इतिहास भी इसी बात की गवाही देता है। 1960 में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता किया थाए जिसके तहत नदी का सिर्फ20 फीसदी पानी हम अपने पास रखते हैं और शेष पानी पाकिस्तान को उपयोग के लिए दे देते हैं। ऐसा उदारमना समझौता शायद ही कोई देश करता है। मगर बदले मेंए हमें 1965 की जंग मिली। इसी तरहए 1972 में शिमला समझौता करके हमने पाकिस्तान से जीती तमाम जमीनें वापस कर दीं और 90 हजार के करीब उसके सैनिकों को रिहा कियाए लेकिन इसका नतीजा भी सिफर रहा। 1999 की कारगिल जंग भी भारत के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सदा.ए.सरहद लाहौर बस.यात्रा के बाद हुई थी। जाहिर हैए हमने बार.बार दोस्ती का हाथ बढ़ाया हैए लेकिन बार.बार उसे हमारी कमजोरी ही समझा गया है। एक बात औरए हमारे यहां जितनी भी आतंकी घटनाएं हुई हैंए उन्हें मैं दहशतगर्दों के प्रयासों की चरम परिणति मानता हूं। इसके अलावाए न जाने कितनी घटनाओं को हमारे सुरक्षा बलोंए खुफिया एजेंसी या पुलिसवालों ने हकीकत बनने ही नहीं दिया। अगर ऐसे हमले साकार हो जातेए तो न जाने जान.माल की कितनी हानि होती। जाहिर हैए इन आतंकियों से पार पाने के लिए हमें अपने सुरक्षा बलों परए पुलिस बलों या अन्य एजेंसियों पर तमाम तरह के खर्च करने पड़ते हैं। अगर पाकिस्तान हमारा दोस्त होताए तो दहशतगर्दी से बचाव पर होने वाले ये तमाम खर्च हम शिक्षाए स्वास्थ्यए विकास जैसे कामों पर कर रहे होतेए जिसका फायदा भारत व उप.महाद्वीप के साथ.साथ विश्व को भी होता। अच्छी बात है कि मोदी सरकार ने पाकिस्तान को घेरना शुरू किया है। कुछ क्षेत्रों में सख्त कदम उठाए भी गए हैं। बालाकोट जैसी कार्रवाई की गई है। हमें इन प्रयासों को और गति देनी होगी। फवाद चौधरी जैसे पाकिस्तानी नेताओं का बयान इसमें हमारी मदद कर सकता है। हम ऐसे बयानों के आधार पर वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान को लगातार आईना दिखा सकते हैं। उसे धीरे.धीरे अनुशासन में लाना ही होगा। दुनिया भी आहिस्ता.आहिस्ता इस ओर बढ़ेगी। ऐसी ही रणनीतियों से यह उम्मीद है कि अफगानिस्तान से जब अमेरिका बाहर निकल जाएगाए तो उसका रवैया पाकिस्तान के खिलाफबिल्कुल उलट होगा। यहां मुझे 90 की दशक की वह घटना याद आ रही हैए जब मैं उच्चायुक्त के तौर पर पाकिस्तान में अपनी सेवा दे रहा था। एक दिन एक दावत में तमाम उच्चायुक्तों व राजदूतों के साथ वहां की संसदीय समिति के अध्यक्ष भी थे। मैंने उन्हें एक गैर.राजनीतिक सवाल पूछा कि आपके मुल्क की अर्थव्यवस्था नीचे जा रही हैए कैसे निपटेंगेघ् पहले तो वह चौंकेए फिर जवाब दियाए ष्कोई बात नहींए पश्चिम हमें संभालता रहा हैए आगे भी वही हमें उबारेगाष्। यानीए जिस मुल्क के सियासतदान बाहरी इमदादों को ही अपनी आमदनी मानते होंए उनकी सोच को भला हम कितना बदल सकेंगे।

ये चिराग कोई चिराग है, न जला हुआ न बुझा हुआ

बिहार विधानसभा अत्यंत दिलचस्प दौर से गुजर रहा है। भारतीय जनता पार्टी व जनता दल यूनाइटेड अर्थात राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का मुख्य रूप से जहाँ कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, कई वामपंथी व अन्य छोटे दलों के महागठबंधन से मुकाबला है वहीं बहुजन समाज पार्टी, असदुद्दीन ओवैसी की ए आई एम आई एम,उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी , पप्पू यादव की जन अधिकार पार्टी आदि के कई दल अथवा गठबंधन चुनाव मैदान में हैं,वहीं हर बार की तरह इस बार भी राम विलास पासवान द्वारा गठित लोक जनशक्ति पार्टी भी चुनाव मैदान में अपना जनाधार विस्तार करने की फिराक में है। परन्तु लोजपा की इस चुनावों में उपस्थिति कई मायने में एक अलग ही अंदाज में है। गौर तलब है कि चुनाव से कुछ ही दिन पूर्व लोजपा संस्थापक तथा लंबे समय तक कांग्रेस के अतिरिक्त सभी सरकारों में मंत्री पद को सुशोभित करने वाले राम विलास पासवान का निधन हो गया था। राम विलास पासवान के देहांत के पश्चात यह पहला चुनाव है जो उनकी अनुपस्थिति में तथा उनके पुत्र चिराग पासवान के नेतृत्व में लोजपा लड़ रही है। राम विलास पासवान की इस तर्ज-ए-सियासत से देश भली भांति वाकिफथा कि सत्ता में एक मंत्री रूप में कैसे अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना है यह हुनर उनसे बेहतर कोई नहीं जानता था। भाजपा के सहयोगी होने के साथ साथ राज्य के अल्पसंख्यकों में भी अपनी लोकप्रियता कैसे बरकरार रखनी है,दलितों पर हो रहे जुल्म पर खामोश रहते हुए भी दलितों में अपनी पैठ कैसे मजबूत रखनी है, दक्षिणपंथ के साथ धर्म-निर्पेक्षता का कैसे ताल मेल बिठाना है,यह हुनर उन्हें बखूबी मालूम था।

शायद इन्हीं विशेषताओं के चलते राजद नेता लालू यादव ने ही उन्हें राजनीति के मौसम वैज्ञानिक का खिताब दिया था।लगता है लोजपा की कमान संभालने वाले स्व0 राम विलास पासवान के सुपुत्र चिराग पासवान ने भी सत्ता में बने रहने की तिकड़मबाजियों का हुनर बखूबी सीख लिया है। विश्लेषकों का मांनना है कि जिस तरह वे स्वयं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हनुमान भी बता रहे हैं और अपनी छाती चीरकर मोदी दर्शन कराने की बात कह रहे हैं दूसरी तरफ चुनाव बाद नितीश कुमार को जेल भेजने जैसा अत्यधिक आत्म विश्वास दिखा रहे हैं,और अपने मुख्य प्रतिद्वंदी महागठबंधन नेता तेजस्वी यादव पर कम और नितीश कुमार पर अधिक आक्रामक हैं,उसे देखकर इस बात का अंदाजा होने लगा है कि भले ही उन्हें दो सीटें मिलें या दस वे सत्ता के साथ ही जाना पसंद करेंगे। अब यह चुनाव परिणामों व उनके दल के विजयी विधायकों की संख्या पर निर्भर करेगा कि उनकी सत्ता साझेदारी सशर्त होगी या बिना शर्त। चिराग के नेतृत्व में लड़ रही लोजपा को लेकर एक हकीकत यह भी है कि जहां काफी मतदाता उनके पिता के स्वर्गवास के चलते उनके पक्ष में सहानुभूति दिखते हुए मतदान कर सकते हैं वहीं इस चुनाव में कई बातें ऐसी भी हैं जो चिराग को नुक्सान पहुंचा सकती हैं।

इनमें सबसे मुख्य बात तो यही है कि स्वयं को मोदी का हनुमान बताने की वजह से खांटी भाजपा विरोधी मत जिसे उनके स्वर्गीय पिता अपने राजनैतिक कौशल से हासिल कर लिया करते थे,वे अब शायद चिराग के पक्ष में न जा सकें। दूसरा मुख्य बिंदु यह भी है कि चिराग के लगभग सभी उम्मीदवार या तो भाजपा के बागी हैं या जे डी यू के। गोया चिराग ने अपने दल के नेताओं व कार्यकर्ताओं की विजय क्षमता पर विश्वास करने के बजाए अन्य दलों के विद्रोहियों या सीधे शब्दों में कहें तो दलबदलुओं पर अधिक विश्वास जताया है। ऐसे में जाहिर है लोजपा के नेता व कार्यकर्त्ता स्वयं को ठगा हुआ भी महसूस कर रहे हैं। इन परिस्थितियों में लोजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं की सक्रियता व चुनावों के दौरान उनकी ईमानदारी व समर्पण के प्रति भी संदेह बना हुआ है। ले देकर चिराग में उनके पिता की मृत्यु की सहानुभूति अलावा आकर्षक युवा व्यक्तित्व के नाते युवाओं में उनका थोड़ा बहुत आकर्षण जरूर है जिसे देखने चिराग की सभाओं में अच्छी संख्या में युवा जुट भी रहे हैं। परन्तु जो युवा नौकरी व रोजगार की आस लगाए हैं उन्हें सबसे अधिक उम्मीद तेजस्वी यादव से ही है।चिराग पासवान को चुनाव के बाद अपने पारिवारिक विवाद से भी जूझना पड़ सकता है। इस की सुगबुगाहट उनके पिता के स्वर्गवास के साथ ही शुरू हो गयी थी। हालांकि देश चिराग पासवान को ही उनके पिता राम विलास पासवान का असली वारिस जनता व मानता है। स्वयं राम विलास ने भी हर जगह चिराग को ही आगे रखकर उन्हीं को अपना वारिस घोषित किया है। परन्तु उनकी मृत्यु के बाद उनकी पूर्व पत्नी राजकुमारी देवी की दोनों पुत्रियों तथा दामादों ने चिराग के राम विलास पासवान का उत्तराधिकारी होने पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। संभव है कि यह विवाद यदि पारिवारिक स्तर पर हल न हुआ तो यह अदालत भी जा सकता है। खबरों के अनुसार रामविलास पासवान का पहला विवाह मात्र 14 वर्ष की आयु में 13 वर्षीय राजकुमारी देवीसे हुआ था। वे आज भी पासवान के पैतृक घर में रहती हैं।उधर स्व राम विलास ने 1983 में रीना शर्मा से दूसरा विवाह रचा लिया,चिराग व दो पुत्रियां इन्हीं पासवान व रीना शर्मा (पासवान) की संतानें हैं।

हालाँकि राम विलास पासवान अपने चुनावी हलफनामे में इस बात का उल्लेख कर चुके हैं कि उन्होंने राजकुमारी देवी को 1981 में तलाक दे दिया था।परन्तु स्वयं राजकुमारी देवी,व उनकी दोनों बेटियां तथा दामाद पासवान के किसी भी तरह के तलाक के दावे को खारिज करते हैं।वे साफ तौर पर कह रहे हैं कि रामविलास के देहांत के बाद उनकी असली वारिस उनकी वास्तविक पत्नी उनकी बेटियां व दामाद हैं न कि चिराग पासवान। राजकुमारी देवी अपने पति के देहांत के बाद पहली बार उनके अंतिम दर्शन करने पटना आई थीं जहां चिराग उनसे गले मिले व पैर छूकर आशीर्वाद भी लिया। उनहोंने यह उम्मीद भी जताई कि चिराग ही अब मेरा सहारा बनेगा। अब यदि यह मामला पारिवारिक स्तर पर सुलझ जाता है फिर तो ठीक है अन्यथा यदि यह अदालत में जाता है तो तलाक की वास्तविकता व इससे दस्तावेज अदालत तलब कर सकती है। परन्तु 1981 से लेकर अब तक राजकुमारी देवी का खगड़िया जिले के शहरबन्नी गांव स्थित अपनी सुसराल में ही रहना,और अपने पति के देहांत की खबर सुनकर उनका पटना पहुंचना,उनके शव पर विलाप करना व इससे संबंधित चित्रों व बयानों का अचानक सुर्खियों में आना इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए काफी है कि चिराग पासवान के पिता के उत्तराधिकार का मामला उतना सरल नहीं है। गौर तलब है कि हिन्दू विवाह अधिनियम के अनुसार न तो कोई व्यक्ति एक साथ दो पत्नियां रख सकता है न ही अपनी पहली पत्नी को तलाक दिए बिना दूसरा विवाह कर सकता है।लिहाजा कहा जा सकता है कि चिराग को भविष्य में राजनैतिक ही नहीं बल्कि पारिवारिक चुनौतियां से भी जूझना पड़ सकता है। चिराग व उनकी लोजपा के लिए बशीर बद्र का एक शेर अत्यंत सामयिक व मौजूं प्रतीत होता है। मेरे साथ जुगनू है हमसफर,मगर इस शरर की बिसात क्या। ये चिराग कोई चिराग है,न जला हुआ न बुझा हुआ, शरर (चिंगारी)।

उदारता की बजाय पड़ोस में सजगता की जरूरत

पड़ोस में शांति हो, तो इन्सान चौन की नींद सोता है, लेकिन यह शांति तभी बनी रह सकती है, जब पड़ोसी के साथ-साथ हम भी शांति के पक्षधर हों और ये समझ आ जाये कि क्या पडोसी शांति के लायक है? वर्चस्व की जंग हमेशा शांति को मारने का काम करती है। फिजूल के झगड़ों को दरकिनार कर 'गुट निरपेक्ष' रहना शांति का पहला कदम है। मगर जब पानी नाक से गुजर जाए तो हम तटस्थ भी नहीं रह सकते। सही समय पर सिखाया गया सबक लम्बे समय तक शांति का नया रास्ता भी खोल सकता है। आजादी से लेकर आज तक भारत की विदेश नीति में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। आइये जानने का प्रयास करें कि वास्तव में भारत कैसा पड़ोसी है ? खासकर चीन और नेपाल के साथ क्षेत्रीय विवाद के चलते अपने पड़ोस के साथ भारत की विदेश नीति अब बहस का एक सक्रिय विषय है। दक्षिण एशियाई क्षेत्र, जो आठ देशों का घर है, और हिंद महासागर क्षेत्र (समुद्री हिंद महासागर क्षेत्रय ज्यादातर पश्चिमी हिंद महासागर) भारत के पड़ोस के व्यापक भौगोलिक विस्तार के अंतर्गत आता है। ष्विस्तारित पड़ोस की सोच आज भारत की एक कूटनीति के तौर पर सामने आई है। मगर ये अन्य देशों की विस्तारित सोच से काफी अलग जो उन क्षेत्रों के साथ भारत को जोड़ती है जो आवश्यक रूप भारत से सीमाओं को साझा नहीं करते हैं लेकिन सांस्कृतिक, सभ्यता या आर्थिक संबंधों को साझा करते हैं। स्वतंत्रता के बाद से, भारत की केंद्रीयता और क्षमताओं को देखते हुए, पारंपरिक रूप से भारत का क्षेत्र विशेष रूप से दक्षिण एशिया में और काफी हद तक पश्चिमी हिंद महासागर में प्रसार रहा जिसमें भूगोल, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रणालियों का वर्चस्व है। दक्षिण एशियाई छोटे पड़ोसियों में से अधिकांश का भारत के साथ अपने स्वतंत्र काल में दोस्ताना संबंध रहा है। भारत की पड़ोस नीति का विकास नया और एक्सीडेंटल नहीं है। बरसों से भारत की पड़ोस नीति कई चरणों से होकर गुजरी है। औपनिवेशिक समय में उपनिवेशवाद-विरोधी, साम्राज्यवाद-विरोधी, नस्लवाद-विरोधी विचारों और नारों ने अपने पड़ोसियों के साथ भारत ने संबंधों को मजबूत किया और एक तरह से उनका समर्थन किया। औपनिवेशिक दौर, जो 1940 के दशक के उत्तरार्ध में शुरू हुआ, के दौरान भारत ने पड़ोसियों को अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में गुटनिरपेक्षता जैसे विचारों को आगे बढ़ाने में मदद की जो कि एक वृहद स्तर पर तीसरी विश्ववाद से प्रेरित था। यद्यपि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की विदेश नीति में बहुपक्षवाद की प्रबलता थी। फिर भी भारत में इसके निकटवर्ती क्षेत्र के लिए द्विपक्षीयता पर जबरदस्त ध्यान केंद्रित किया गया है। अपने पड़ोसियों के प्रति भारत की विदेश नीति का दृष्टिकोण ष्संतुलन के सिद्धांतष् द्वारा तैयार किया गया था। मिसाल के तौर पर, जिन नीतियों का प्रमुख विरोधी राज्यों (जैसे पाकिस्तान और चीन) ने महाशक्तियों के साथ पालन किया, उनमें भारत के संबंध बाद के हैं। इस तरह के संतुलन और प्रतिकार का भारत के पड़ोस पर प्रभाव पड़ा है। इसका मतलब यह नहीं है कि घरेलू स्तर के कारकों ने पड़ोस नीति को आकार देने में कभी कोई भूमिका नहीं निभाई। वास्तव में, पड़ोस के कुछ संघर्षों के उदाहरण के लिए घरेलू आयाम थे, भारत-श्रीलंका ने अस्सी के दशक में संघर्ष किया और बांग्लादेश के साथ पानी के मुद्दों को साझा किया। सामान्य तौर पर, एक प्रमुख धारणा है कि भारत की पड़ोस नीति ज्यादातर भूमि क्षेत्र के क्षेत्र में पाकिस्तान और चीन से जुड़े मुद्दों पर हावी थी और यह समुद्री मुद्दों की अनदेखी कर रही थी। 1990 के दशक में शुरू हुए शीत युद्ध के बाद के समय में, भारत ने गुटनिरपेक्षता पर अपने विदेश नीति के परिसर को परिष्कृत करने के लिए अपना काम शुरू किया। इसके पश्चिमी पश्चिमी देशों, क्षेत्रवाद और इसके साथ संबंध थे, जिसका भारत के पड़ोस एवं, क्षेत्रीय नीतियां पर भारी प्रभाव पड़ा।इस तरह के बदलावों में शीत युद्ध के द्वंद्व का पतन, वैश्वीकरण का प्रसार, क्षेत्रीयता की बढ़ी हुई डिग्री शामिल थी।

घरेलू स्तर के कारकों में आर्थिक सुधार, गठबंधन की राजनीति का उदय, नाभिकीयकरण और इतने पर शामिल थे। हाल के दिनों में भारत अपने पड़ोसियों के साथ बेहतर संबंध बनाने के लिए अभूतपूर्व ध्यान देने लगा है। बढ़े हुए व्यापार, विश्वास निर्माण उपायों, सीमा समझौतों ध् संधियों आदि से स्पष्ट होने के साथ भारत ने अपने पड़ोसियों के साथ बेहतर संबंध बनाने के लिए कई पहलें की है। यहां तक कि भारत ने अपने दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के साथ संबंधों के निर्माण और उच्च स्तर के विश्वास के लिए गैर-पारस्परिक पहल की है। उन पहलों में से एक 1996 का गुजराल सिद्धांत था। हालांकि, पाकिस्तान जैसे पड़ोसी राज्यों के साथ रुक-रुक कर संघर्ष जारी रहा, जिसने काफी हद तक दक्षिण एशिया विशिष्ट क्षेत्रीय संगठन, दक्षेस के फॉरवर्ड मार्च को प्रभावित किया। सामान्य तौर पर, उस समय नई पड़ोस नीति के माध्यम से भारत पारंपरिक और गैर-पारंपरिक दोनों मुद्दों को संबोधित करने का प्रयास कर रहा था। वर्तमान महामारी चरण में, अर्थव्यवस्थाओं के संकुचन के कारण भारत और इसके पड़ोसियों के बीच कई फिशर्स उभरे हैं। महामारी ने काफी हद तक मुद्दों को बदल दिया है क्योंकि नई आर्थिक और राजनीतिक वास्तविकताएं दुनिया को तेज गति से बदल रही हैं। वास्तव में, गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरे जैसे कोविद -19 महामारी तेजी से पारंपरिक सुरक्षा संघर्षों की ओर अग्रसर है। चीन की आक्रामक कार्रवाई और छोटे देशों की कार्रवाई क्षेत्र में उभर रही नई भू-राजनीतिक स्थिति के कुछ संकेतक हैं। इसके अलावा, अमेरिका और चीन के बीच एक वैश्विक स्तर पर उभरते नए शीत युद्ध के कारण व्यापार संघर्ष चल रहा है, जो भारत की पड़ोस और इसकी पड़ोस नीतियों को प्रभावित करने की सबसे अधिक संभावना रखता है। दूसरे शब्दों में, चीन कारक, बदलती वैश्विक शक्ति वास्तुकला, और पड़ोसियों के साथ मौजूदा संघर्ष भारत की विदेश नीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिसमें इसकी पड़ोस नीति एक महत्वपूर्ण है।इसलिए बदलते समय के अनुरूप एक नई पड़ोस नीति को अपनी क्षेत्रीय शक्ति का दर्जा बनाए रखने और निकट भविष्य में अगले स्तर तक स्थिति परिवर्तन का एहसास करने के लिए उभरती हुई वास्तविकताओं के साथ कल्पनाशीलता से तैयार किए जाने की अहम आवश्यकता है।वैश्विक क्षेत्र में कई शक्तियों पर अपनी विदेश नीति का ध्यान केंद्रित करके एक बहु-वेक्टर विदेश नीति को बढ़ावा भारत को क्षेत्र ध् पड़ोस में अपनी स्थिति मजबूत करने में सक्षम बना सकती है। भारत की पड़ोस नीति एक लंबा रास्ता तय कर सकती है, अगर इन पहलों को पर्याप्त नवीन हार्ड पावर संसाधनों (रक्षा और अर्थव्यवस्था) और सॉफ्ट पावर रणनीतियों के उपयोग द्वारा ठीक से बैकअप लिया जाता है। भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और विचारों को रचनात्मक रूप से प्रचारित करके क्षेत्रीय राज्यों के साथ अपने सभ्यतागत संबंधों को और बेहतर बनाया जा सकता है। यह बदले में भारत की पड़ोस नीति का स्वर्णिम एवं मजबूत समय दे सकता है। भारत को अब उदार पड़ोसी होने के साथ-साथ सजग होना भी बेहद जरूरी है।

आईपीएल 2020 के प्लेऑफ की टीमों का आखिरी लीग मैच के बाद होगा ऐलान, जानिए यों

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2020 को शुरू हुआ 40 से ज्यादा दिन और 52 मैच बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक इस बात का फैसला नहीं हुआ है कि संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में खेले जा रहे इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के 13वें सीजन के प्लेऑफ में कौन-कौन सी टीम हिस्सा लेगी। शनिवार 31 अक्टूबर तक सिर्फ एक टीम का फैसला हुआ है, जो प्लेऑफ में पहुंच गई है, लेकिन बाकी तीन स्थानों के लिए 6 टीमों में जंग जारी है। आईपीएल 2020 के प्लेऑफ की रेस से सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स की टीम बाहर है, क्योंकि टीम ज्यादा से ज्यादा 12 अंक हासिल कर सकती है, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, सनराइजर्स हैदराबाद, किंग्स इलेवन पंजाब और राजस्थान रॉयल्स के पास अभी भी प्लेऑफ में पहुंचने का मौका है। हालांकि, दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच मुकाबला है, जिससे एक क्वालीफायर्स टीम का फैसला हो जाएगा। आपको जानकर हैरानी होगी कि आइपीएल 2020 का आखिरी लीग मैच यानी टूर्नामेंट का 56वां मैच सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जाएगा। उस मैच के बाद ही आइपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने वाली चार टीमों का ऐलान हो सकेगा, क्योंकि इस बार संयोग कुछ ऐसा है कि दो टीमें 16 या इससे ज्यादा अंकों के साथ प्लेऑफ में पहुंचेंगी, जबकि बाकी की दो टीमें 14-14 अंकों के साथ प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करेंगे।हालांकि, चार टीमें 14-14 अंकों तक पहुंच सकती हैं। ऐसे में नेट रन रेट के आधार पर टॉप की दो टीमों के सीधे आइपीएल 2020 के क्वालीफायर्स में प्रवेश मिल जाएगा। अब बात करते हैं आने वाले बाकी के चार मैचों की जो काफी दिलचस्प होने वाले हैं। रविवार एक नवंबर की दोपहर को किंग्स इलेवन पंजाब और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मुकाबला होगा। अगर पंजाब की टीम मैच जीत जाती है तो प्लेऑफ की रेस में बनी रहेगी और मुकाबला हार जाती है तो आइपीएल 2020 से सफर समाप्त हो जाएगा। एक नवंबर को दूसरा मैच कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान के बीच खेला जाएगा। अगर इस मैच में जो टीम हार जाएगी, उसका सफर आइपीएल के 13वें सीजन से समाप्त हो जाएगा, जबकि जीतने वाली टीमों को नेट रन रेट के आधार पर प्लेऑफ में जगह मिल सकती है, लेकिन उसका फैसला आखिरी लीग मैच के बाद होगा। 2 नवंबर को दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच मैच होगा। इस मैच को जो टीम जीतेगी वो प्लेऑफ में पहुंच जाएगी, लेकिन हारने वाली टीम को नेट रन रेट के आधार पर जगह मिलने के चांस है।

टूर्नामेंट का आखिरी लीग मैच 3 नवंबर को सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच होगा। अगर मुंबई वो मुकाबला जीत जाती है तो फिर हैदराबाद की टीम का आइपीएल 2020 से सफर समाप्त हो जाएगा, जबकि हैदराबाद के जीतने के बाद नेट रन रेट के आधार पर दो टीमों को प्लेऑफ में जगह मिलेगी, जो क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर होगी। अब बात करते हैं कि किस टीम का नेट रन रेट बेहतर है, तो इस मामले में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ-साथ किंग्स इलेवन पंजाब की टीम बाजी मार सकती है, लेकिन को अपने-अपने मुकाबले जीतने होंगे।

कार के साथ पोज देने की जगह पोंटिंग के साथ रहें पंत और शॉः सुनील गावस्कर

सुनील गावस्कर ने अपने कॉलम में कहा कि अगर पृथ्वी शॉ और रिषभ पंत चाहते हैं कि उनके प्रदर्शन को मैदान पर फिर से याद किया जाए तो वे बड़ी कारों के साथ पोज देने की जगह रिकी पोंटिंग के साथ चिपके रहें जो इस खेल के दिग्गज खिलाड़ी हैं।जैसे कि हम आइपीएल के इस सत्र के अंत में पहुंच चुके हैं और इसकी खासियत है यह है कि यह अंकों में हमें बता देता है कि फ्रेंचाइजियों ने जिन खिलाड़ियों पर करोड़ों खर्च किए हैं और उनका प्रदर्शन कैसा रहा है। उन्होंने कितने रन, कितने विकेट और कितने कैच पकड़े हैं, लेकिन क्रिकेट नंबरों की संख्या से ऊपर है।कुछ ऐसे अनुभवी टीमों में मौजूद हैं जो युवा खिलाड़ियों के साथ समय बिताने और उनकी तैयारियों के बारे में अमूल्य सुझाव देने में मदद करते हैं, चाहे वह शारीरिक हो या मानसिक।

विराट कोहली को आईपीएल में सात बार आउट करने पर क्या बोले संदीप शर्मा ?

शारजाह, एजेंसी। आइपीएल 2020 में सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज संदीप शर्मा ने शनिवार को एक बार फिर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान विराट कोहली को आउट किया। गेंदबाज ने कहा कि भारतीय कप्तान को आउट करना हमेशा एक खास एहसास होता है। आइपीएल में सातवीं ऐसा हुए जब यह मिडियम पेसर कोहली को आउट करने में सफल रहा। संदीप शर्मा के खिलाफ 12 पारियों में, कोहली ने 139 की स्ट्राइक रेट के साथ सिर्फ 68 रन बना सके हैं और सात बार संदीप के शिकार बने हैं। उन्होंने कहा, मेरी योजना विकेट को विकेट टू विकेट बॉलिंग करने और गेंद को स्विंग कराने की थी। पिच में नमी के कारण गेंद काफी स्विंग हो रही थी। मैं नकलबॉल बॉलिंग कर रहा हूं और जॉनी बेयरस्टो से बड़ी मदद मिल रही है।कोहली को आउट करने पर संदीप ने कहा, कोहली महान बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्हें आउट करना हमेशा खास होता है। हमें अब मोमेंटम हासिल हो गई है। हम अगले मैच को लेकर उत्साहित हैं। इसके साथ ही आपीएल में किसी एक बल्लेबाज को सर्वाधिक बार आउट करने का संयुक्त रिकॉर्ड की भी संदीप के नाम पर दर्ज हो गया। इससे पहले जहीर खान के नाम महेंद्र सिंह धौनी को सात बार आउट करने का रिकॉर्ड है।मैच में 20 रन देकर दो विकेट लेने के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। संदीप ने यह भी कहा, मैंने पहला ओवर फेंका। मेरी जिम्मेदारी है कि मैं जितनी जल्दी हो सके पिच को पढ़ूं और अन्य गेंदबाजों को इसके बारे में बता सकूं। मैं वह जिम्मेदारी निभा रहा हूं। हैदराबाद ने शनिवार को बैंगलोर को पांच विकेट से हराया। इस जीत के साथ, हैदराबाद अब 13 मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है। दूसरी ओर, बैंगलोर 13 मैचों में 14 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

लगातार तीन मैच हारी आरसीबी डिविलियर्स बोले- यही है इस टूर्नामेंट का स्वभाव, कुछ भी हो सकता है

शारजाह, एजेंसी। आइपीएल 2020 में शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद (स्त्रा) से हारने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (ऋष्टक्क) की प्लेऑफ में क्वालीफाई करने की राह मुश्किल हो गई है। विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम को लगातार पिछले तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद टीम के धाकड़ बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने कहा कि एक के बाद एक तीन मुकाबलों में हारकर काफी खराब एहसास हो रहा है। आप नहीं चाहते ऐसा हो, लेकिन इस टूर्नामेंट का स्वभाव ऐसा ही है। कुछ भी हो सकता है। अगर आप लगातार तीन मैच हार सकते हैं, तो आप लगातार तीन मैच जीत सकते हैं। डिविलियर्स ने आगे कहा कि शारजाह का विकेट बहुत धीमा था, आउटफील्ड काफी धीमा था और कवर में शॉट खलने पर चौका नहीं मिल रहा था एक या दो रन बन रहे थे। इससे भी काफी दबाव पड़ा। शारजाह में हुए इस मुकाबले में आरसीबी के बल्लेबाज सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजों को चैलेंज तक नहीं दे सके और 20 ओवर में सात विकेट पर मात्र 120 रन ही बना पाए। जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद ने पांच विकेट के नुकसान पर 121 रन बनाकर यह मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। सनराइजर्स इस जीत के बाद अंक तालिका में लंबी छलांग लगाकर सातवें से चौथे स्थान पर पहुंच गई है। हैदराबाद अब 13 मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर आ गई है। दूसरी ओर, आरसीबी 13 मैचों में 14 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। आरसीबी अब सोमवार 2 नवंबर को अबूधाबी के शेख जायद स्टेडियम में अपने आखिरी लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। डिविलियर्स ने कहा कि दिल्ली के खिलाफ मैच काफी अहम होगा, जिसे हम सभी जानते हैं। हमें अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। यदि हम करते हैं, तो चीजें हमारे लिए बहुत अच्छी होंगी

डिविलियर्स का विकेट लेने पर बोले नदीम, उनके खिलाफ कोई प्लान न बनाना ही सबसे बेहतर प्लान

शारजाह, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद के स्पिनर शाहबाज नदीम ने शनिवार को आइपीएल 2020 के 52 वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को आउट किया। इस स्पिन गेंदबाज का मानना है कि दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज के खिलाफ गेंदबाजी करते वक्त प्लान नहीं होना सबसे बढ़िया प्लान है। रिद्धिमान साहा और जेसन होल्डर ने क्रमशः 39 और 26 की पारी खेली और हैदराबाद ने शनिवार को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में आरसीबी को पांच विकेट से हरा दिया। हैदराबाद के गेंदबाजों की शानदार प्रदर्शन के बदौलत बैंगलोर की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 120 रनों पर ही सिमट गई। नदीम ने हैदराबाद के तेज गेंदबाज संदीप शर्मा को आइपीएल की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए वीडियो में बताया। कहा कि डिविलियर्स हर दिन अलग तरह से खेलते हैं। इसलिए उनके खिलाफ प्लानिंग करने का कोई मतलब नहीं है।नदीम ने आगे कहा,आउट होने से पहले उन्होंने पहले इसी ओवर में मुझे छक्का मारा था। इसलिए मैंने उन्हें ऑफ स्टंप पर गेंदबाजी करने का सोचा और सौभाग्य से गेंद सीधे एक्सट्रा कवर पर चली गई। यह हमारे लिए एक बड़ा विकेट था। डिविलियर्स के विकेट के बाद हमारे लिए डेथ ओवरों में गेंदबाजी करना आसान हो गया। आरसीबी की लगातार तीन मैचों में हार से प्लेऑफ का समीकरण काफी दिलचस्प हो गया। मुंबई इंडियंस पहले ही क्वालिफाई कर गई है और चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। बाकी छह टीम रेस में बरकरार हैं। जीत के साथ, हैदराबाद अब 13 मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है। टीम को अगला मुकाबला 3 नवंबर को मुंबई इंडियंस (स्ढ्ढ) के खिलाफ शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में होगा। नदीम ने कहा कि मुंबई इंडियंस एक मजबूत पक्ष है, लेकिन हमें अपने मोमेंटम मिल गया है और मुझे विश्वास है कि हम क्वालीफाई करने में सफल होंगे।

एमआई के बल्लेबाज इसान किशन ने खोला अपनी शानदार बल्लेबाजी व जानदार शॉट्स लगाने का राज

नई दिल्ली, एजेंसी। आइपीएल 2020 के 51वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 9 विकेट से हरा दिया था और टीम की इस जीत में मुंबई के ओपनर बल्लेबाज इशान किशन ने नाबाद 72 रन की पारी खेली थी। उन्होंने 47 गेंदों पर 8 चौके व 3 छक्कों की मदद से ये रन बनाए थे और उनका स्ट्राइक रेट 153.19 का रहा था। दिल्ली ने इस मैच में 20 ओवर में 9 विकेट पर 110 रन बनाए थे और मुंबई ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को 14.2 ओवर में एक विकेट खोकर 111 रन बनाते हुए हासिल कर लिया था। पिछले कुछ मैचों मे रोहित शर्मा चोटिल हैं और उनकी जगह पारी की शुरुआत इशान किशन कर रहे हैं और अपनी बल्लेबाजी से उन्होंने खूब प्रभावित किया है।

दिल्ली के खिलाफ जो उन्होंने नाबाद 72 रन की पारी खेली थी उसे लेकर उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था। इस मुकाबले के बाद उन्होंने बताया कि आखिर वो क्यों इतनी शानदार पारियां खेल रहे हैं साथ ही इतने दमदार शॉट्स लगा रहे हैं। इशान किशन ने अपने दमदार शॉट्स लगाने का श्रेय अपनी मां को दिया और कहा कि मैं इतने लंबे शॉट्स लगाने के बाद खुद सोचता हूं कि ये मैंने कैसे मारा। मुझे ऐसा लगता है कि ये मेरी मां के खाने का कमाल है जिसकी वजह से मैं इतने लंबे छक्के लगा पाता हूं। वहीं इसके लिए सही तरीके से प्रैक्टिस करने की भी जरूरत होती है जिस पर मैं फोकस कर रहा हूं। इशान किशन ने आइपीएल 2020 में अब तक मुंबई इंडियंस के लिए 11 मैचों में 143.63 के स्ट्राइक रेट से 395 रन बनाए हैं और उन्होंने तीन हाफ सेंचुरी लगाई है। मुंबई ने इस आइपीएल में अब तक खेले 13 मैचों में 9 मुकाबले जीते हैं और उनके कुल 18 अंक हैं।

आईपीएल 2021 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलेंगे एमएस धोनी या नहीं, खुद ही कर दी घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरातमें खेले जा रहे इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स रविवार 1 नवंबर को अपना आखिरी मैच खेलने उतरी। ऐसे में माना जा रहा था कि आइपीएल 2020 के प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए महेंद्र सिंह धौनी का भी ये आखिरी मैच होगा, क्योंकि वे इसी साल अगस्त के महीने में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। हालांकि, ये सच्चाई नहीं है। धौनी सीएसके के लिए खेलते रहेंगे। इस बात का ऐलान उन्होंने खुद दिया है।दरअसल, आइपीएल 2020 में अपना आखिरी मैच खेल रहे एमएस धौनी ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ मैच के टॉस के दौरान जब डैनी मॉरिसन ने एमएस धौनी से पूछा कि क्या आपका ये आखिरी आइपीएल मैच सीएसके के लिए है? इस सवाल के जवाब में धौनी ने कहा, ÷नहीं, बिल्कुल नहीं।÷ इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि एमएस आइपीएल 2021 में भी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते रहेंगे। धौनी से पहले सीएसके के सीईओ ने भी इसी बात की पुष्टि की थी कि धौनी अगले साल भी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आइपीएल खेलेंगे।200 से ज्यादा आइपीएल मैच खेल चुके एमएस धौनी ने उन सभी कयासों पर विराम लगा दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि धौनी इंटरनेशनल क्रिकेट के बाद आइपीएल से भी संन्यास ले रहे हैं या फिर सीएसके फ्रेंचाइजी को छोड़ने का मन बना रहे हैं। भले ही एमएस धौनी की कप्तानी वाली टीम पहली बार आइपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने में नाकाम रही हो, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के नाम अभी भी सबसे ज्यादा बार आइपीएल के प्लेऑफ खेलने का रिकॉर्ड दर्ज है, जबकि तीन बार ष्टस्य़ आइपीएल चैंपियन रह चुकी है। ऐसे में धौनी अपने पैशन को जिंदा रखने के लिए कम से कम अगले साल तक आइपीएल खेलते रहेंगे, क्योंकि अगला आइपीएल अप्रैल 2021 के आस-पास शुरू हो जाएगा।

राजस्थान व कोलकाता दोनों के लिए अहम मैच, ऐसी हो सकती हैं दोनों टीमें

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2020 (IPL 2020) में 52 मैच खेले जाने के बाद भी प्लेऑफ की दौड़ अगर-मगर के पेंच में फंस हुई है। इस बीच आज दो मुकाबले खेले जाएंगे। दिन का दूसरा मुकाबला कोलकाता नाइटराइडर्स (चयत्र) और राजस्थान रॉयल्स (ऋऋ) के बीच खेला जाएगा। यह दोनों टीमों का आखिरी लीग मैच होगा। राजस्थान और कोलकाता दोनों के लिए यह मुकाबला काफी अहम है। राजस्थान की टीम 13 मैचों में छह मैच जीतकर अंक तालिका में छठे स्थान पर है। वहीं कोलकाता 13 में से छह मैच जीतकर सातवें स्थान पर है। राजस्थान को कोलकाता को हराने के बाद दूसरे नतीजे भी अपने पक्ष में रहने की प्रर्थना करनी होगी। उसके लिए किंग्स इलेवन पंजाब (चड्ढक्क) और सनराइजर्स हैदराबाद का हारना जरूरी है। राजस्थान के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि बेन स्टोक्स फॉर्म में लौट आए हैं। पिछले दो मैचों में उन्होंने एक शतक और एक अर्धशतक लगाया है। पिछले मैच में उन्होंने दो विकेट भी लिए। संजू सैमसन भी फॉर्म में लौट आए हैं। जोस बटलर और राहुल तेवतिया को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। टीम की गेंदबाजी थोड़ी जरूर कमजोर है। जोफ्रा आर्चर ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन उन्हें किसी और का साथ नहीं मिला है। टीम ने पिछले मैच में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था, ऐसे में आज प्लेइंग इलेवन में बदलाव की संभवना काफी कम है। कोलकाता की राह खराब रनरेट के कारण काफी मुश्किल है। राजस्थान अगर हार जाती है और कोई और टीम 14 अंक तक नहीं पहुंच पाती है तो वह क्वालीफाई कर जाएगी।

भारतीय टी20 टीम में रवींद्र जडेजा के चयन पर संजय मांजरेकर ने उठाए सवाल, कहा- अक्षर पटेल उनसे बेहतर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा पर टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने एक बार फिर से निशाना साधा है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम इंडिया का एलान हो चुका और अब संजय मांजरेकर ने टीम सेलेक्शन को लेकर अपनी बातें सामने रखी है। उन्होंने केएल राहुल के टेस्ट टीम में शामिल किए जाने और रवींद्र जडेजा को टी20 टीम में शामिल करने को लेकर अपनी बात कही है। मांजरेकर अपने विवादित बयान के लिए जाने जाते हैं और इसकी वजह से बीसीसीआइ ने उन्हें कमेंट्री पैनल से बाहर कर दिया था। संजय मांजरेकर अब कमेंट्री पैनल में नहीं हैं, लेकिन अलग-अलग प्लेटफॉर्म के जरिए अपनी बात शेयर करते रहते हैं। अब उन्होंने अपने ट्वीट में ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रवींद्र जडेजा के टीम में चुने जाने पर सवाल उठाए हैं। एक ट्विटर यूजर को जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि टी20 टीम के लिए रवींद्र जडेजा से ज्यादा अच्छे ऑप्शन अक्षर पटेल होते। जडेजा इस समय आइपीएल 2020 में सीएसके के लिए खेल रहे हैं जबकि अक्षर पटेल दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे हैं। साल 2017 में रवींद्र जडेजा के खराब प्रदर्शन की वजह से उन्हें सफेद गेंद के प्रारूप से ड्रॉप कर दिया गया था। सिमित प्रारूप में उनकी वापसी 2019-20 सीजन में हुई थी और न्यूजीलैंड दौरे पर उन्होंने अपने प्रदर्शन से मांजरेकर को भी प्रभावित किया था। इस आइपीएल सीजन में उन्होंने अब तक 232 रन बनाए हैं और पांच विकेट भी लिए हैं। वो निचले क्रम पर शानदार बल्लेबाजी के लिए खूब लाइमलाइट में आए हैं।

टीम इंडिया के ऑस्ट्रेलिया दौरे के सेलेक्शन के बाद जडेजा ने नाबाद 31 रन की पारी 11 गेंदों पर खेलकर कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आखिरी गेंद पर जीत दिलाई थी। वहीं अक्षर पटेल भारतीय टीम से दो साल से बाहर हैं। वहीं वो दिल्ली कैपिटल्स के भी इस साल लगातार प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हैं। 11 मैचों में उन्होंने 66 रन बनाए हैं जबकि 8 विकेट उनके नाम पर है। फिलहाल जडेजा टीम इंडिया का हिस्सा हैं और प्लेइंग इलेवन में भी उन्हें जगह मिलने की उम्मीद है। वहीं अक्षर पटेल को टीम इंडिया में वापसी के लिए इंतजार करना होगा।

मुंबई प्ले-ऑफ में पहुंची, तीन स्थानों के लिए 6 टीमों के बीच रोमांचक टक्कर

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली, दिल्ली कैपिटल्स के कैप्टन श्रेयस अय्यर, किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल और सनराइजर्स हैदराबाद के कैप्टन डेविड वॉर्नर। आईपीएल के 13वें सीजन में लीग राउंड के 52 मैच हो चुके हैं। अब तक सिर्फ मुंबई इंडियंस ही प्ले-ऑफ में अपनी जगह पक्की कर सकी है। बाकी तीन स्थान के लिए 6 टीमों के बीच मुकाबला काफी रोमांचक होने वाला है। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स पहले ही प्ले-ऑफ की रेस से बाहर हो गई है। फिलहाल, सभी 8 टीमों के 1-1 मुकाबले बाकी हैं।6 टीमों में से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद की दावेदारी मजबूत दिख रही है। बाकी तीन टीम कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स और किंग्स इलेवन पंजाब भी अपनी दावेदारी पेश कर रही हैं।

मुकेश खन्ना ने कहा- पुरुषों के बराबर नहीं हैं महिलाएं, उनके बाहर काम करने से शुरू हुई मीटू की समस्या

बॉलिवुड के वेटरन ऐक्टर मुकेश खन्ना अपने बेबाक बयानों के लिए चर्चा रहते हैं। उनके द्वारा दिया गया बयान सुर्खियो में न आए ऐसा तो हो ही नहीं सकता है। हाल ही में कपिल शर्मा के शो और अक्षय कुमार की फिल्म को लेकर दिए गए उनके बयान लोग भूले नहीं थे कि उनके एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मुकेश खन्ना महिलाओं और पुरुषों को उनके कर्तव्यों का ध्यान दिला रहे हैं। वीडियो में मुकेश खन्ना ने कहा, मर्द अलग होता है और औरत अलग होती है। औरत की रचना अलग होती है और मर्द की रचना अलग होती है। औरत का काम घर संभालना होता है। ये मी टू की प्रॉब्लम शुरू तब हुई जब महिलाओं ने घर से बाहर निकलकर काम करना शुरू किया। वे आज पुरुषों संग कंधे से कंधा मिलाकर काम करना चाहती हैं। लेकिन इससे सबसे ज्यादा वो बच्चा सफर करता है जिसे अपनी मां से दूर होना पड़ता है। वो बच्चा एक आया के साथ रहने को मजबूर होता है और उसके साथ बैठकर क्योंकि सांस भी कभी बहू थी जैसे सीरियल देखता है। मर्द मर्द होता है और औरत औरत रहती है। मुकेश खन्ना पर भड़के लोग

मुकेश खन्ना के इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोग भड़क गए हैं। यूजर्स कमेंट कर रहे हैं कि उनकी बात सुनकर वे काफी निराश हुए हैं। तो कोई कह रहा है कि उनकी मानसिकता बहुत खराब है। कई ऐसे यूजर भी हैं जो कह रहे हैं कि शक्तिमान तो असल जिंदगी का किलविश निकला। बता दें कि मुकेश खन्ना ने अक्षय कुमार की फिल्म लक्ष्मी बम पर भी बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि मेकर्स ने अगर किसी दूसरे धर्म को लेकर ऐसा टाइटल दिया होता तो तलवारे निकल आतीं। वहीं, मुकेश खन्ना ने कपिल शर्मा के शो को फूहड़ और अश्लील बताया था।

मालदीव क्या गोवा तक ऐसे नहीं जा सकते, जैसे सोनू सूद ने इस शख्स को जाने के लिए कह दिया

कोरोना काल में रियल हीरो बनकर उभरे सोनू सूद फैन्स के बीच इतने लोकप्रिय हो चुके हैं कि सोशल मीडिया पर लोग जब-तब उनसे अजीबोगरीब डिमांड बेझिझक कर डालते हैं। हाल में एक फैन ने उनसे मालदीव भेजने की डिमांड कर डाली, जिसपर उन्होंने बड़ा ही मजेदार जवाब दिया है। लॉकडाउन के दौरान अपने घर और देश से बाहर फंसे लोगों को अपने-अपने घर तक पहुंचाने में सोनू सूद ने काफी मदद की। बीते दिनों उन्होंने बसों, ट्रेन और फ्लाइट कर बाहर फंसे लोगों की खूब जमकर मदद की, जिसके बाद लोग उन्हें मसीहा तक कहने लगे। हाल ही में एक यूजर ने सोशल मीडिया पर उन्हें लिखा- सर, मुझे मालदीव जाना है, जिसपर सोनू सूद ने उनके ही अंदाज़ में जवाब भी दे डाला है। सोनू सूद ने रिप्लाई में कहा- कैसे जाओगे, साइकल पर या रिक्शा पर भाई? एक फैन ने सोनू सूद को टैग करते हुए लिखा, सर पप्पू यादव आपका नाम सुनकर झारखंड से एक उम्मीद लेकर अंजान शहर में मदद की उम्मीद लेकर आया था। आपने उससे मिलकर उसे खाना कपड़ा और रहने की जगह दी उसका इलाज और सारे टेस्ट कराए। टिकट कराकर उसको अपने घर भेजा पप्पू आज बहुत खुश है धन्यवाद। इसपर उन्होंने कहा- वाह, पप्पू यादव तो हीरो लग रहा है।

मिथुन चक्रवर्ती की बहू मदालसा शर्मा के पीछे पड़ा भूत, हैलोवीन के मौके पर हुआ बुरा हाल

मिथुन चक्रवर्ती की बहू मदालसा शर्मा सोशल मीडिया पर खासी एक्टिव रहती हैं. साथ ही खास मौकों पर वीडियो शेयर करती हैं. अब हैलोवीन के मौके पर उन्होंने कई सारे वीडियो शेयर किए हैं, जो खूब वायरल हो रहे हैं. वीडियो में देखा जा सकता है कि वो जहां भी जाती हैं उनको डरावनी चीजें दिखने लग जाती हैं. मिथुन चक्रवर्ती की बहू मदालसा शर्मा ने कैप्शन के जरिए बताया है कि जब आप ज्यादा हॉरर फिल्में देखने लग जाते हैं तो यहीं होता है. मिथुन चक्रवर्ती की बहू मदालसा शर्मा ने इन वीडियो को

अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर किया है. बता दें कि हैलोवीन एक प्राचीन सेल्टिक त्योहार है, जिसे यूरोपीय देशों और अमेरिका में फसल के अंतिम दिन मनाया जाता है. वर्षों से हर साल 31 अक्टूबर को हैलोवीन दुनिया भर में मनाया जाता है. मदालसा शर्मा ने मिमोह चक्रवर्ती संग शादी रचाई है. मदालसा काफी मशहूर एक्ट्रेस हैं, वो तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं. मदालसा शर्मा इन दिनों पॉपुलर टीवी शो अनुपमा में काव्या झवेरी का रोल निभा रही हैं. मदालसा शर्मा मशहूर एक्ट्रेस शीला शर्मा और निर्माता-निर्देशक सुभाष शर्मा की बेटी हैं. शीला ने 90 के दशक की महाभारत में देवकी का रोल निभाया था. मदालसा शर्मा और मिमोह चक्रवर्ती की शादी साल 2018 के जुलाई महीने में हुई थी. मदालसा ने 2009 में तेलुगु फिल्म 'फिटिंग से एक्टिंग डेब्यू किया था. इसके अलावा उन्होंने कन्नड़ फिल्म 'शौर्य में भी काम किया है. मदालसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं.

सलमान खान के साथ फ्लर्ट करती नजर आईं शहनाज गिल

बिग बॉस 14 वीकेंड के वार में हर हफ्ते कोई न कोई सितारा सलमान खान का मेहमान जरुर बनता है। इस हफ्ते भी बिग बॉस 14 के घर में शो की एक एक्स कंटेस्टेंट घर में धमाकेदार एंट्री करने वाली है। यहां हम बात कर रहे हैं बिग बॉस 13 में नजर आ चुकी शहनाज गिल की... जो कि आज सलमान खान और बाकी सदस्यों के साथ मुलाकात करने वाली हैं। कुछ समय पहले ही बिग बॉस 14 के मेकर्स ने एक नया प्रोमो शेयर किया है। बिग बॉस 14 के इस प्रोमो में शहनाज गिल सलमान खान के साथ फ्लर्ट करती नजर आ रही हैं। बिग बॉस 14 के प्रोमो में शहनाज गिल टशन के साथ घर में एंट्री करती नजर आ रही हैं। आते ही शहनाज गिल ने सलमान खान से कहा कि आपने मेरी ड्रेस के साथ मैचिंग क्यों नहीं की। ये बात सुनकर सलमान खान ने कहा कि नहीं कर पाया। सॉरी मुझे माफ कर दो। जिसके बाद शहनाज गिल ने सलमान खान को बिना देर किए माफ भी कर दिया। आगे शहनाज गिल ने कहा कि मुझे आपको गले लगाना है। शहनाज की ये बात सुनकर सलमान खान बोले कि हम दोनों तो बहुत दूर हैं। ऐसे में शहनाज गिल ने फील करके दूर से ही सलमान खान को हग कर लिया। इतना ही नहीं शहनाज गिल ने मौका पाते ही सलमान खान को आई लव यू भी बोल डाला।

करवा चौथ में साड़ी को लेकर है दुविधा, देख सकते हैं- बॉलीवुड सेलेब्स के ये लुक्स

करवा चौथ एक त्यौहार है, जिस पर टीवी और फ़िल्म इंडस्ट्री का बड़ा प्रभाव रहा है। टीवी सीरियल्स और फ़िल्मों के माध्यम से इस खूब प्रमोट भी किया गया है। इस बार करवा चौथ का त्यौहार 4 नवंबर यानी बुधवार को मनाया जाने वाला है। इस दिन पत्नी अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। ख़ास बात है कि इस दिन महिलाएं शानदार गैटअप में भी दिखाई देती हैं। साड़ी को लेकर एक किस्म का क्रेज देखा गया है। हालांकि, हर त्यौहार की तरह इस बार भी महिलाओं के दिल में लुक्स और गैटअप्स के चुनाव को लेकर दुविधा हो सकती हैं। ऐसे में करवा चौथे जैसे त्यौहार के लिए बॉलीवुड रोल मॉडल बन सकता है। ख़ासकर जब बात गैटअप की चल रही हो। ऐसे में करवा चौथ के लिए हम आपके लिए बॉलीवुड से कुछ साड़ी लुक्स लेकर आए हैं। आइए जानते हैं... काजोल- काजोल उन एक्ट्रेस में हैं, जो अक्सर साड़ी में दिख जाती है। हाल ही में डॉटर्स डे के दिन वह एक साड़ी में अपना लुक साझा किया। इसमें वह प्रिटेंड साड़ी पहनी नजर आ रही हैं। इस साड़ी कलर भी ऐसा है, जिसे त्यौहार के दिन पहना जा सकता है। कलर हल्का है, ऐसे में भारी ज्वैलरीज़ का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, काजोल का सिंपल लुक भी काफी प्यारा है। ऐश्वर्या राय बच्चन- ऐश्वर्या राय बच्चन उन एक्ट्रेस में हैं, जो क्लासिक, वेस्टर्न और मॉर्डन हर किस्म के आउटफिट में नज़र आ जाती हैं। वह साड़ी में भी खूब जचती हैं। कुछ ऐसा ही वह रेड साड़ी में दिख रही हैं। इसके साथ झुमके का कॉम्बिनेशन भी काफी सही लग रहा है। सुष्मिता सेन- बॉलीवुड फ़िल्मों से लेकर वेब सीरीज़ तक सुष्मिता सेन ने हमेशा साड़ी लुक्स में फैंस के दिलों को जीता है। पिछली बार दिवाली के मौके पर वह साड़ी लुक्स में नज़र आई थीं। रेड कलर प्रिंटेड साड़ी में कलर्स बखूबी निखर कर आते हैं। कटरीना कैफ- सुष्मिता सेन की तरह कटरनी कैफ की भी हाईट काफी अच्छी है। ऐसे में उन पर भी साड़ी काफी सही लगती है। सूर्यवंशी फ़िल्म की घोषणा के वक्त उन्होंने एक फोटो शेयर किया था। इसमे वह ब्लू कलर की साड़ी में दिख रही हैं।

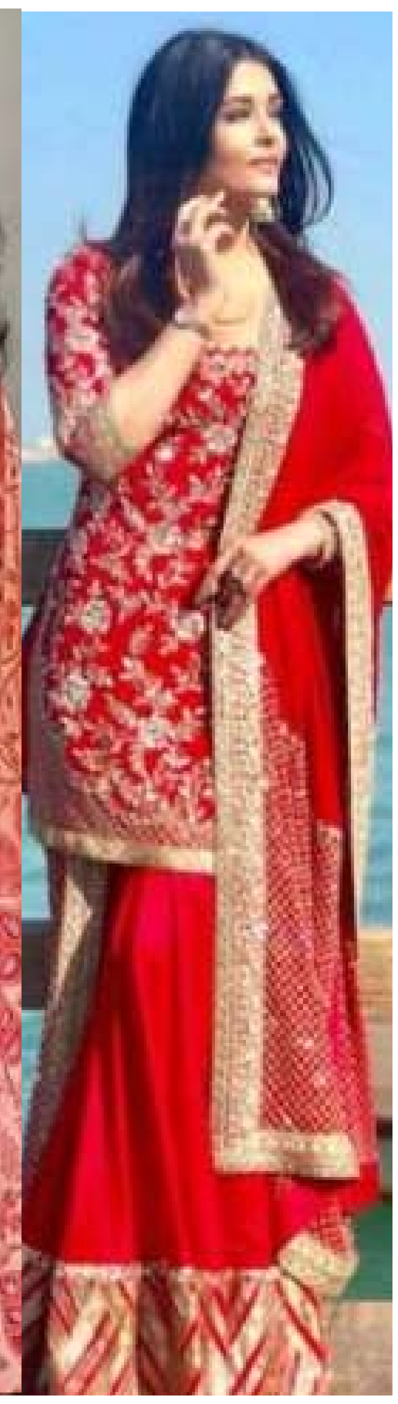

मलाइका अरोड़ा ने ब्राउन कलर की चमकीली साड़ी पहन दिए जबरदस्त पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपने स्टाइलिश अंदाज को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं. हाल ही में मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों में ब्राउन कलर की चमकीली साड़ी में नजर आ रही हैं. मलाइका अरोड़ा इन तस्वीरों में अलग-अलग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस इन तस्वीरों में काफी खूबसूरत लग रही हैं. साथ ही उनके खुले बाल उनकी खूबसूरती में चार-चांद लगा रहे हैं. इन तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने कैप्शन में लिखा, लंबे और गर्व के साथ खड़े रहें.÷ बता दें, एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा का यह लुक रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर का है. इन तस्वीरों में मलाइका काफी खूबसूरत लग रही हैं. एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. मलाइका अरोड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस बतौर जज इंडियाज बेस्ट डांसर में नजर आ रही हैं. इससे पहले उन्होंने इंडियाज नेक्स्ट टॉप मॉडल भी जज किया था. काम के अलावा मलाइका अरोड़ा अपने ग्लैमरस लुक्स और स्टाइल को लेकर भी हमेशा चर्चा में बनी रहती हैं. उनकी फोटो हो या वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल भी होती है. सिर्फ इतना ही नहीं मलाइका अकसर एक्टर अर्जुन कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती है. आए दिन दोनों को पार्टी करते हुए स्पॉट किया जाता है.

दिल तो पागल है के पूरे हुए 23 साल, माधुरी दीक्षित ने लिखा- फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब

बॉलिवुड की खूबसूरत ऐक्ट्रेसेज में से एक माधुरी दीक्षित ने अपनी शानदार ऐक्टिंग के दम पर अलग पहचान बनाई है। ऐक्ट्रेस ने अपनी फिल्म दिल तो पागल है के 23 साल पूरे होने पर खुशी जाहिर की है। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खूबसूरत पोस्ट शेयर किया है। माधुरी दीक्षित ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट फिल्म से जुड़ी हुई तीन तस्वीरें शेयर की है। इसके साथ उन्होंने लिखा, फिल्म दिल तो पागल है मेरे दिल के बहुत करीब है। फिल्म में मेरा कैरेक्टर डांस और दोस्ती के प्रति मेरे पैशन को दिखाता है। मुझे याद है जब हम शूटिंग कर रहे थे, यश जी पर्सनली हर शॉट को समझाते थे। ये बहुत ही अच्छा लर्निंग एक्सपीरियंस है और शाहरुख, करिश्मा, अक्षय के साथ काम करना हमेशा यादगार है।

फिल्म को लोगों ने काफी पसंद किया

फिल्म दिल तो पागल है को यश चोपड़ा ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म को लोगों ने काफी पसंद किया था। वहीं, फिल्म के गाने हिट रहे थे। इस फिल्म में माधुरी दीक्षित के साथ शाहरुख खान, करिश्मा कपूर और अक्षय कुमार भी हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो माधुरी दीक्षित आखिरी बार फिल्म कलंक में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट, वरुण धवन, संजय दत्त, आदित्य रॉय कपूर और सोनाक्षी सिन्हा जैसे कलाकार थे। फिल्म को अच्छा रेस्पॉन्स नहीं मिला था।

अनुपम खेर की तरह हॉलीवुड जाने को लेकर बोले सिकंदर खेर- मैं किसी के नक्शेकदम पर नहीं चलता

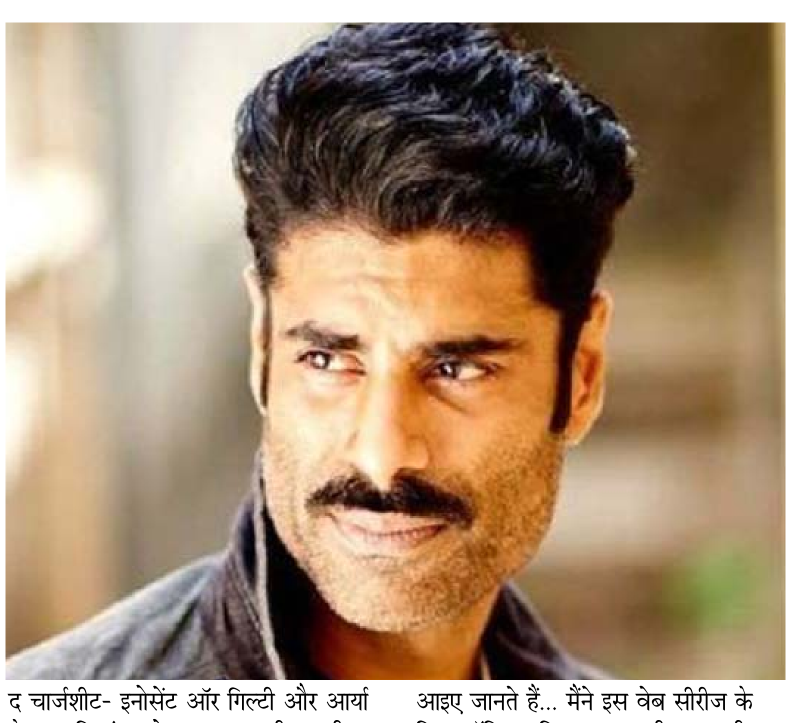

द चार्जशीट- इनोसेंट ऑर गिल्टी और आर्या के बाद सिकंदर खेर इस साल की अपनी तीसरी वेब सीरीज मुंभाई में अंडरवर्ल्ड डॉन रामा शेट्टी के किरदार में नजर आएंगे। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लगातार अलग-अलग किरदारों में नजर आ रहे सिकंदर ने अपने जज्बात दीपेश पांडेय के साथ साझा किए। आइए जानते हैं... मैंने इस वेब सीरीज के लिए ऑडिशन दिया था। काफी समय बीत जाने के बाद मेरे मित्र और इस शो के निर्माता अपूर्व लाखिया का फोन आया। तब उन्होंने बताया कि कास्ट फाइनल ही हो रही थी जब उन्हें मेरा ऑडिशन दिखा। उन्होंने मेरे किरदार के लिए एकता कपूर से बात की। उसके बाद मुझे रामा शेट्टी के किरदार के लिए चुना गया। अभिनेता का काम ही होता है ऑडिशन देना। हॉलीवुड में बड़ी-बड़ी हस्तियां भी ऑडिशन देती हैं। हाल ही में जेम्स बांड सीरीज की अगली फिल्म के लिए टॉम हार्डी जैसे अभिनेता ने भी ऑडिशन दिया। ऑडिशन से ही पता चलता है कि कलाकार स्क्रिप्ट और किरदार के अनुसार सही है या नहीं। इसमें मुझे कोई असहजता नहीं होती। कहीं-कहीं ऑडिशन को स्टारडम से भी जोड़कर देखा जाता है। मुझे यह बात समझ नहीं आती। रामा शेट्टी के किरदार पर चर्चा के दौरान मैंने भाषा प्रशिक्षक और निर्देशक अक्षय चौबे से कह दिया था कि अगर मैं पूरी तरह से दक्षिण भारतीय बोलचाल की शैली पकड़ लेता हूं तो ठीक, वरना पूरा डायलॉग सामान्य हिंदी शैली में ही बोलेंगे। कोशिश करने पर मैंने देखा कि मैं उस शैली में अच्छी तरह बोल पा रहा था। मैं रामा शेट्टी के डायलॉग ज्यादा नहीं देखता था, सेट पर खुद ही डायलॉग बनाता था। रामा के लुक में लंबे बालों के लिए विग का इस्तेमाल करते हुए हमने मूंछें, दाढ़ी, शर्ट और लुंगी वाला लुक आजमाया। सभी को पसंद आने पर यही लुक फाइनल किया गया। अगर दर्शकों के सामने हम अच्छी कहानी पेश करेंगे तो उन्हें जरूर पसंद आएगी। मुंबई के गैंगस्टर्स और पुलिस की कहानियों में अच्छाई बनाम बुराई, आपसी टकराव और कई दिलचस्प उतार-चढ़ाव होते हैं इसलिए इतनी फिल्में बनने के बाद भी लोग ऐसी कहानियां पसंद करते हैं। तुलना तो होती रहती है लेकिन मैं किसी दूसरी फिल्म या अन्य प्रोजेक्ट से खुद की तुलना नहीं करता। लिहाजा मेरे ऊपर परफॉर्मेंस का कोई दबाव नहीं होता। मैं हमेशा से ही अलग-अलग तरह के किरदार निभाता आया हूं। आर्या के दौलत और मुंभाई के रामा में जमीन-आसमान का अंतर है। अपने पास आई हर अलग चीज को मैं एक चुनौती की तरह लेता हूं। यह किसी योजना के तहत नहीं कर रहा, जो मुझे मिल रहा है, बस उसे पूरी मेहनत के साथ कर रहा हूं। मैं किसी के नक्शेकदम पर नहीं चलता। मेरी जिंदगी मुझे जिस राह पर ले जाती है, मैं उसी के अनुसार जीता रहता हूं। लोगों से प्रेरणा लेना अलग बात है और नक्शेकदम पर चलना अलग। रही बात हॉलीवुड की तो अगर मुझे मौका मिले तो मैं दुनिया की हर भाषा में अभिनय करना चाहूंगा। यह जरूरी नहीं कि सब एक ही मुद्दे पर बोलें। जो चीजें मेरे दिल को छूती हैं, मैं सिर्फ उन पर बात करता हूं। अगर मुझे लगता है कि किसी मुद्दे पर आवाज उठाकर मैं बदलाव ला सकता हूं तो मैं जरूर आगे आता हूं।

सुशांत सिंह राजपूत के फैन्स ने न्यूजीलैंड में ट्रडिशनल हाका डांस के जरिए दी श्रद्धांजलि

सुशांत सिंह राजपूत के दुखद निधन के बाद से उन्हें केवल हिंदुस्तान के ही फैन्स नहीं बल्कि दुनियाभर के फैन्स याद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर लगातार सुशांत को न्याय दिलाए जाने की मांग दुनियाभर से उठ रही है। पहले ही इंग्लैंड, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में सुशांत के लिए कई कार्यक्रमों

क ा

आयोजन किया गया है और पोस्टर बैनर लगाए जा चुके हैं। अब सुशांत के फैन्स ने न्यूजीलैंड से मांग उठाई है। सुशांत के न्यूजीलैंड के फैन्स ने वहां के ट्रडिशनल डांस हाका से अपने फेवरिट ऐक्टर की मौत पर न्याय की मांग की है। पिछले हफ्ते सुशांत के फैन्स के एक ग्रुप ने रग्बी प्लेयर्स के इवेंट में होने वाले ट्रडिशनल हाका डांस में भाग लिया। इसमें बहुत सारे महिला-पुरुषों ने हिस्सा लिया था। जब इस ट्रडिशनल डांस का आयोजन हो रहा था तो स्टेज पर सुशांत सिंह राजपूत की तस्वीर रखी गई थी। सुशांत की फैमिली फ्रेंड स्मिता पारिख ने सबसे पहले यह खबर ट्विटर पर शेयर की जिसके बाद अन्य फैन्स की नजर भी इस पर पड़ी। इसके बाद हैशटैग्स के साथ लोग इस खबर को शेयर करने लगे। वैसे बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जबकि न्यूजीलैंड के फैन्स ने सुशांत को श्रद्धांजलि दी है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com

नोट: समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।